सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 226 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 30 मई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

मुख्यमंत्री साय कल दुर्ग में 259 करोड़ के विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण-भूमिपूजन

दुर्ग। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 31 मई को दुर्ग दौरे पर रहेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री दुर्ग शहर में 259 करोड़ रुपये के 191 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन करेंगे। इस दौरान महापौर अलका बाघमार शहर विकास से जुड़ी विभिन्न परियोजनाओं के लिए करीब 100 करोड़ रुपए की स्वीकृति संबंधी ज्ञापन मुख्यमंत्री को सौंपेंगी। इसमें नगर निगम की नई बिल्डिंग,ऑडिटोरियम,स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सियान सदन, जलभराव निराकरण और अधोसंरचना विकास जैसे प्रस्ताव शामिल किए गए हैं। नगर निगम के कई विभाग फ्लिहाल अलग-अलग भवनों से संचालित हो रहे हैं। सभी को एक ही परिसर में लाने लंबे समय से नए निगम भवन की मांग की जा रही हैं। पूर्व की शहर सरकारों ने भी प्रयास किए। लेकिन मामला आगे नहीं बढ़ पाया। सिंचाई विभाग ने जमीन के लिए एनओसी जारी कर दी है। इसके बाद महापौर ने नए भवन के लिए 20 करोड़ रुपए की मांग करेंगी।

रायपुर की पॉश कॉलोनी में दिनदहाड़े चोरी, लाखों के जेवर और कैश ले उड़े चोर

रायपुर। रायपुर के आमानाका थाना क्षेत्र स्थित टाटीबंध की पार्थिवी पेसिफिक कॉलोनी में दिनदहाड़े चोरी की बड़ी घटना सामने आई है। अज्ञात चोरों ने एक सूने मकान में घुसकर लाखों रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी कर ली। पुलिस के अनुसार डाफोडिल, पार्थिवी पेसिफिक टाटीबंध निवासी स्वप्नेश्वर हरिचंदन ने मामले की शिकायत दर्ज कराई है। वे गोदावरी पावर एंड इस्पात लिमिटेड, सिलतरा में मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि गर्मी की छुट्टियों के चलते उनकी पत्नी और बच्चे ओडिशा स्थित पैतृक गांव गए हुए हैं, जिससे वे घर में अकेले रह रहे थे। 28 मई की सुबह करीब 5.15 बजे वे घर में ताला लगाकर ड्यूटी के लिए सिलतरा रवाना हुए थे। दोपहर लगभग 3.15 बजे लौटने पर उन्होंने देखा कि मुख्य दरवाजे का कुंदा टूटा हुआ था। अंदर जाकर जांच करने पर बेडरूम में रखी गोदरेज अलमारी का ताला और लॉकर भी टूटा मिला। अलमारी में रखे सोने और चांदी के आभूषणों के साथ नकदी भी गायब थी। चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब 5.55 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस अज्ञात आरोपितों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के प्रयास में जुटी है।

सामूहिक विवाह में सात फेरे लेंगे बेमेतरा विधायक दीपेश साहू, सीएम साय ने की सराहना

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत बेमेतरा में 31 मई को होने वाले सामूहिक विवाह कार्यक्रम में खास होने वाला है। स्थानीय विधायक दीपेश साहू यहां पर 23 जोड़ों के साथ खुद भी शादी करने जा रहे हैं। दीपेश साहू बेमेतरा में भाजपा के विधायक हैं और उनके इस निर्णय की सराहना की जा रही है। वीआईपी कल्चर से दूर सामूहिक विवाद के मंच पर शादी के निर्णय की मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी सराहना की है।

बेमेतरा शहर के बेसिक स्कूल मैदान में 31 मई को सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है। एक दिन पहले बेमेतरा विधायक ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण भी किया। विधायक दीपेश साहू इस समारोह में तरूणा साहू के साथ परिणय सूत्र में बंधेंगे। इस आयोजन में क्षेत्र के 23 गरीब और जरूरतमंद जोड़े भी विवाह बंधन में बंधेंगे। कुल 24 जोड़ों के इस सामूहिक विवाह को लेकर पूरे जिले में चर्चा का माहौल है। विधायक दीपेश साहू की इस पहल को शासन और प्रशासन दोनों स्तर पर सराहना मिल रही है। आयोजन के लिए प्रशासन

ने आधिकारिक निमंत्रण पत्र भी जारी किए हैं। समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय विशेष रूप से शामिल होकर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देंगे।

कांग्रेस ने उठाया सवाल तो विधायक ने दिया जवाब

इसी मुद्दे को लेकर कांग्रेस ने सरकार पर सवाल खड़े किए हैं। पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि, गरीबों के हक पर डाका डाला जा रहा है। क्या विधायक इस योजना के लिए पात्र हैं। इसके जवाब में विधायक दीपेश साहू ने कहा कि जिनसे वे शादी करने जा रहे हैं, वे बीपीएल परिवार से हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत मिलने वाली राशि को वे मेधावी छात्राओं को देंगे।

मुख्यमंत्री साय ने की सराहना

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि बेमेतरा विधायक दीपेश साहू द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में विवाह करने का निर्णय सादगी, सामाजिक समरसता और जनकल्याणकारी पहल के प्रति विश्वास का प्रेरक उदाहरण है। उनका इस निर्णय से विवाह संस्कार को अनावश्यक आडंबर के बजाय मानवीय मूल्यों से जोड़े जाने का संदेश समाज को मिलता है।

छत्तीसगढ़ में नौतपा के बीच मौसम मेहरबान हुआ, यूपी-बिहार में आंधी-बारिश से 48 मौतें

देशभर में भीषण गर्मी के बीच आंधी तूफान का अलर्ट, अगले 7 दिनों में माानसून की दस्तक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश में गर्मी के बीच 15 से ज्यादा राज्यों में प्री-मानसून बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। छत्तीसगढ़ में नौतपा के बीच मौसम में बदलाव से लोगों को राहत मिली है। वहीं उत्तर भारत में आंधी बारिश के कारण 48 लोगों की मौत हो गई है। बिहार में पिछले 24 घंटे में आंधी-बारिश और बिजली गिरने से 17 लोगों की मौत हुई है। उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे में आंधी-तूफान की वजह से 31 लोगों की मौत हो गई है। वहीं आने वाले 7 दिनों में मानसून के केरल तट से टकराने की संभावना है।

छत्तीसगढ़ में नौतपा के दौरान पड़ रही भीषण गर्मी के बीच मौसम ने अचानक करवट ले ली है। प्रदेश के उत्तर और दक्षिणी हिस्सों में हुई

बारिश ने लोगों को राहत पहुंचाई है, जबकि कई इलाकों में तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि मध्य छत्तीसगढ़ अभी भी तेज गर्मी की चपेट में है और राजनांदगांव प्रदेश का सबसे गर्म जिला बना हुआ है, जहां अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विभाग ने रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा, जशपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया और बलरामपुर जिलों के लिए विशेष अलर्ट जारी किया है। इन क्षेत्रों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने, मेघगर्जन और बारिश होने की संभावना है। राजधानी रायपुर में भी आंशिक बादल छाए रहने, गरज-चमक के साथ बारिश और अंधड़ चलने के संकेत हैं। मौसम विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान 43 डिग्री और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है।

केरलम पहुंचेगा मानसून

मौसम विभाग ने बताया कि मानसून अगले 7 दिनों में केरलम पहुंच सकता है। हालांकि विभाग ने इस साल मानसून के सामान्य से कमजोर रहने का अनुमान भी जताया है। ब्रुस्थ के मुताबिक जून से सितंबर तक देश में औसतन सामान्य से कम बारिश हो सकती है। इस बार मानसून सीजन में 78 सेंटीमीटर बारिश होने का अनुमान है। देश में सामान्य मानसूनी बारिश का औसत 87 सेंटीमीटर माना जाता है। मौसम विभाग ने कहा कि बिहार, यूपी में सामान्य बारिश हो सकती है, लेकिन बाकी कई हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होने की आशंका है।

आईपीएल से बाहर होने पर छलके वैभव के आंसू, सपोर्ट स्टाफ ने बढ़ाया हौसला

क्वालीफायर 2 गुजरात टाइटन्स से मिली हार के बाद हुए मायूस

मुल्लांपुर। करोड़ों फैन्स के दिलों पर राज करने वाले वैभव सूर्यवंशी की टीम का इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में सफर खत्म हो गया। शुक्रवार (29 मई) को मुल्लांपुर में खेले गए क्वालिफायर-2 में राजस्थान रॉयल्स को गुजरात टाइटन्स के हाथों 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा और इसी के साथ टीम का फाइनल में पहुंचने का सपना भी खत्म हो गया। इस जीत के साथ गुजरात टाइटन्स ने खिताबी मुकाबले में जगह बना ली, जहां अब उसका सामना 31 मई (रविवार) को डिफेंडिंग चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से होगा।

हार के बाद सबसे भावुक तस्वीर राजस्थान रॉयल्स के डगआउट से सामने आई। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी बेहद मायूस होकर अकेले बैठे नजर आए। उनकी आंखों में आंसू साफ दिखाई

दिए, जबकि टीम का एक सपोर्ट स्टाफ सदस्य उन्हें सांत्वना देता दिखा। सोशल मीडिया पर यह तस्वीर तेजी से वायरल हो गई और फैन्स भी इस युवा बल्लेबाज का दर्द महसूस करते नजर आए।

हालांकि, इस हार के बावजूद वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह सिर्फ भविष्य नहीं, बल्कि भारतीय क्रिकेट का वर्तमान भी हैं। बड़े मुकाबले के दबाव में भी उन्होंने बेखौफ अंदाज में बल्लेबाजी की और गुजरात टाइटन्स के गेंदबाजों पर जमकर हमला बोला। यह युवा बल्लेबाज शतक से महज चार रन दूर रह गया, लेकिन उसकी विस्फोटक पारी ने स्टेडियम में मौजूद हर फैन को रोमांचित कर दिया।

एक घर, 1 कनेक्शन : 1 जून से बदलेंगे एलपीजी के नियम

नईदिल्ली। एशिया संकट को देखते हुए कस्टमर्स को कोई दिक्कत नहीं आए, इसलिए कुछ खास बदलाव किए गए हैं। इसी में से एक बदलाव 1 जून से लागू होने जा रहा है, जिसके तहत आपका सिलेंडर कनेक्शन कैंसिल हो सकता है।

दरअसल, देश में एलपीजी का कनेक्शन बढ़ रहा है और सरकार द्वारा निर्देश देने के बावजूद एलपीजी सिलेंडर का उपयोग कम नहीं हो रहा है। पीएनजी कनेक?शन मार्च तक 6.15 लाख नए कनेक्शन लगे हैं, लेकिन वास्तवकि आपूर्ति 18 फीसदी कम थी। इससे पता चलता है कि कई परिवारों ने वास्तव में स्विच किए बिना ही कनेक्शन ले

लिया है, जबकि सरकार ने कहा है कि अगर पीएनजी और एलपीजी दोनों कनेक?शन हैं, तो एलपीजी को सरेंडर करना होगा। हालांकि, इसके बावजूद ही लोग पीएनजी का कनेक्शन ले रहे हैं, लेकिन एलपीजी को सरेंडर नहीं कर रहे हैं।

संशोधित नियम के तहत जिन परिवारों के पास पहले से ही एलपीजी कनेक्शन हैं, उन्हें अपने एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करने पड़ सकते हैं। तेल डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों ने घरेलू सिलेंडरों के दुरुप्रयोग, जमाखोरी और कलाबाजारी को रोकने के लिए पीएनजी और एलपीजी दोनों का एक साथ उपयोग करने वाले घरों की पहचान करना शुरू कर दिया है। एक ही एड्रेस पर दोनों कनेक्शन रखना संशोधित एलपीजी नियमों के तहत प्रतिबंधित माना जा रहा है, जिन लोगों के इलाके में पीएनजी का इंफ्रा है, उन?हें तय समय के भीतर पीएनजी पर स्विच न करने पर एलपीजी आपूर्ति बंद या खुद रद्द होने का सामना करना पड़ सकता है।

समाधान शिविर में रिश्वत लेते बाबू पकड़ाया

रिटायर्ड शिक्षक से मांगे थे 40 हजार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एंटी करप्शन की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने रिश्वत लेते हुए एक बाबू को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पूरा मामला तुमान इलाके का है। यहां 'समाधान शिविर' आयोजित किया गया था। इस शिविर में एक बाबू काम करवाने के बदले में रिटायर्ड

शिक्षक से 40 हजार रुपये की रिश्वत ले रहा था।

दरअसल, से वानिवृत्त शिक्षक अमृतलाल बघेल का शिक्षा विभाग से जुड़ा काम अटका हुआ था। इस काम को करने के बदले में विभाग के बाबू प्रदीप मिश्रा ने उनसे 40,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। बाबू के द्वारा रिश्वत मांगने के बाद रिटायर्ड शिक्षक अमृतलाल ने मामले की शिकायत बिलासपुर एंटी करप्शन ब्यूरो से की। जिसके बाद टीम ने शिकायत की जांच की। अमृतलाल बघेल की शिकायत पर बिलासपुर की एंटी करप्शन टीम से बाबू को रंगे हाथों गिरफ्तार करने के लिए जाल बिछाया। जैसे ही समाधान शिविर के दौरान शिक्षक अमृतलाल ने बाबू प्रदीप मिश्रा को रिश्वत के 40,000 रुपये दिए, वैसे ही वहां सादे कपड़ों में मौजूद बिलासपुर एसीबी के डीएसपी अजीत सिंह और उनकी टीम ने अचानक छापा मार दिया।

रिसाली नगर निगम के पार्षद विनय नेताम बर्खास्त

आधार सेंटर में तोड़फोड़ का आरोप, जांच के बाद हुई कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम रिसाली के वार्ड-16 बीआरपी कालोनी के पार्षद विनय नेताम को संभागायुक्त ने पद से बर्खास्त कर दिया है। संभागायुक्त एसएन राठौर ने निगम आयुक्त द्वारा प्रस्तुत आवेदन एवं विस्तृत जांच प्रतिवेदन के आधार पर छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम 1996 की धारा 19(1)(अ) के तहत कार्रवाई की।

प्रकरण में 19 मार्च 2026 को निगम आयुक्त

द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि पार्षद विनय नेताम ने अपने पदीय दायित्वों का निर्वहन न करते हुए शासकीय कार्य में गंभीर बाधा उत्पन्न की। जांच एवं सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य, दस्तावेजों और तर्कों का गहन अध्ययन किया गया। सभी तथ्यों, साक्ष्यों एवं विधिक प्रावधानों के आधार पर संभागायुक्त ने यह निष्कर्ष निकाला कि पार्षद का आचरण जनहित एवं निगम व्यवस्था के अनुकूल नहीं है। इसी आधार पर उन्हें पद से हटाने का अंतिम आदेश पारित किया गया।

यह है पूरा मामला

जानकारी के अनुसार यह मामला मार्च 2024 का है। नेवई थाना में शिकायतकर्ता अमरदीप कुमार साव ने प्राथमिकी दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि पार्षद विनय नेताम ने आधार सेवा केंद्र में आकर न केवल उपकरणों को क्षति पहुंचाई, बल्कि गाली-गलौज एवं धमकी भी दी। आधार सेवा केंद्र में तोड़फोड़, कंप्यूटर, प्रिंटर एवं अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरणों को नुकसान पहुंचाया था। पुलिस ने विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया था। अब इस मामले में जांच के बाद पार्षद को बर्खास्त कर दिया गया है।

छत्तीसगढ़ में बढ़ेंगे बिजली के दाम, 24 फीसदी बढ़ोतरी का प्रस्ताव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बिजली उपभोक्ताओं को जुलाई से महंगी बिजली का झटका लगेगा। बिजली कंपनी ने बिजली के दाम 24 प्रतिशत तक बढ़ाने का प्रस्ताव राज्य विद्युत नियामक आयोग को दिया है। नियामक आयोग ने प्रस्ताव पर जनता, उद्योगों और विभिन्न संगठनों से प्राप्त सुझावों व आपत्तियों की समीक्षा पूरी कर ली है।

राज्य बिजली वितरण कंपनी (सीएसपीडीसीएल) ने विद्युत

नियामक आयोग के समक्ष भारी वित्तीय संकट का हवाला दिया है। कंपनी के मुताबिक, वर्ष 2026-27 के लिए करीब 6308.24 करोड़ रुपये का घाटा सामने आया है। घाटे की भरपाई के लिए सभी उपभोक्ता वर्गों (घरेलू, कमर्शियल और औद्योगिक) के टैरिफ में समान रूप से वृद्धि करने का प्रस्ताव रखा गया है। बता दें कि पिछले वर्ष 11 जुलाई को घोषित टैरिफ में प्रति यूनिट लगभग 20 पैसे की बढ़ोतरी की गई थी।

नियामक आयोग ने इस प्रस्ताव पर फरवरी महीने में जनसुनवाई आयोजित की थी। आयोग ने इसमें मिले सुझावों के आधार पर बिजली कंपनी से आय-व्यय के अतिरिक्त दस्तावेज मांगे थे। अब सरकार के साथ अंतिम दौर का मंथन चल रहा है। यदि कंपनी के प्रस्ताव को नियामक आयोग हरी झंडी देता है तो लोगों की जेब पर अतिरिक्त भार पड़ना तय है।

चारबाग स्टेशन पर शेड गिरने पर रेलवे का एक्शन ठेकेदार पर 50 लाख का जुर्माना, इंजीनियर सस्पेंड

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के चारबाग रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार की सुबह एक टिन शेड भरभराकर गिर गया था। अब इस हादसे में रेलवे ने कार्रवाई करते हुए ठेकेदार पर 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। फील्ड इंजीनियर को सस्पेंड कर दिया और निगरानी करने वाली एजेंसी के प्रभारी को हटा दिया है।

इस घटना के बाद सवाल उठ रहे हैं कि शेड क्यों गिरा, इसकी जिम्मेदारी किसकी है। रेलवे ने इस पूरे मामले को लेकर जांच शुरू की है। उत्तरी रेलवे के महाप्रबंधक राजेश पांडेय ने बताया कि चारबाग स्टेशन पर पुनर्निर्माण का काम चल रहा है। इसी दौरान प्लेटफॉर्म शेड का एक हिस्सा गिर गया था। हालांकि, इस घटना में किसी बड़े हादसे की स्थिति नहीं बनी।

रेलवे के मुताबिक, दो यात्रियों को मामूली चोटें आई थीं, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया और उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। राजेश पांडेय ने बताया कि जिस ठेकेदार के जिम्मे यह काम था, उस पर 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा परियोजना से जुड़े फील्ड इंजीनियर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निर्माण कार्य की निगरानी करने वाली संस्था यानी पीएमसी (प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंट) के प्रभारी अधिकारी पर भी गाज गिरी है। रेलवे ने प्रभारी को सेवा से हटा दिया है। रेलवे का कहना है कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की जांच के लिए तीन सीनियर अफसरों की एक कमेटी बनाई गई है। यह समिति पूरे मामले की जांच करेगी और यह पता लगाएगी कि आखिर शेड गिरने की वजह क्या रही और किस स्तर पर लापरवाही हुई।

संपादकीय

जन के हित के हेत

लोकहित की प्रतिबद्धता पत्रकारिता का फर्ज

भले ही हिंदी पत्रकारिता गफलत में अपनी पहली शताब्दी न मना सकी हो, लेकिन वह द्विशताब्दी के मौके पर खासी उत्साहित है। वह आत्ममंथन के दौर से गुजर रही है। आज से दो सौ साल पहले उत्तर भारत से जाकर तत्कालीन कलकत्ता को कर्मभूमि बनाने वाले पं. युगल किशोर शुक्ल ने 'उदन्त मार्तण्ड' के रूप में हिंदी पत्रकारिता का बीजारोपण किया था। भले ही वह पत्र आर्थिक झंझावातों से अधिक समय तक न चल सका, लेकिन अपनी 'आदि प्रतिज्ञा' से वह जो पत्रकारिता का लक्ष्य तय कर गया, वह आज भी उतना ही जरूरी व प्रासंगिक है। 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रवेशांक में पं. शुक्ल ने लिखा था कि इस समाचार पत्र का प्रकाशन- ' हिंदुस्तानियों के हित के हेत' .. किया जा रहा है। निस्संदेह, ध्येय वाक्य के गहरे निहितार्थ थे और आज भी हैं। सही मायने में पत्र ने दो सदी पहले पत्रकारों को उनका 'कर्मपथ' बता दिया था। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि जबकि यह हिंदी भाषा का समाचार पत्र था, लेकिन उसकी फिक्र केवल हिंदी भाषियों की ही नहीं थी। उसकी 'आदि प्रतिज्ञा' समस्त हिंदुस्तानी समाज के हित को लेकर थी। पत्र का नाम 'उदन्त मार्तण्ड' यानी उगता सूरज था। बाकायदा समाचार पत्र के नाम के साथ संस्कृत में लिखा होता था कि जैसे सूरज के प्रकाश के बिना अंधेरा दूर नहीं होता, उसी तरह अज्ञ जन समाचार पत्र के बिना ज्ञानवान नहीं बन सकते। यह भी कि ज्ञान के प्रकाश को फैलाने के मकसद से इस समाचार पत्र का प्रकाशन किया जा रहा है। निश्चय ही उदन्त मार्तंड की 'आदि प्रतिज्ञा और धेय' में सभी भाषाओं की पत्रकारिता का लक्ष्य आज भी यही है। निश्चय ही यह पत्रकारिता बिरादरी को आईना दिखाता है कि हमारी पत्रकारिता हर हिंदुस्तानी के हित के हेत है? क्या हम हम समाज में अज्ञ को ज्ञानवान बनाने का काम कर रहे हैं? क्या हमारे शब्द उतने ही अर्थवान व सारवान हैं, जितना इस पेशे से अपेक्षित है। निश्चय ही यह अवसर पत्रकारिता बिरादरी को आत्ममंथन का मौका देता है।

> "सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि जबकि यह हिंदी भाषा का समाचार पत्र था, लेकिन उसकी फिक्र केवल हिंदी भाषियों की ही नहीं थी। उसकी 'आदि प्रतिज्ञा' समस्त हिंदुस्तानी समाज के हित को लेकर थी। पत्र का नाम 'उदन्त मार्तण्ड' यानी उगता सूरज था। बाकायदा समाचार पत्र के नाम के साथ संस्कृत में लिखा होता था कि जैसे सूरज के प्रकाश के बिना अंधेरा दूर नहीं होता, उसी तरह अज्ञ जन समाचार पत्र के बिना ज्ञानवान नहीं बन सकते। यह भी कि ज्ञान के प्रकाश को फैलाने के मकसद से इस समाचार पत्र का प्रकाशन किया जा रहा है।

हिंदी पत्रकारिता के प्रतीक पुरुष स्व. प्रभाष जोशी ने एक बार पत्रकारिता के छात्रों से बातचीत करते हुए कहा था कि पत्रकारिता 'ऋषिकर्म' है। जिसमें घर फूंक तमाशा देखने का जज्बा हो, वही पत्रकारिता में आए। पैसे कमाने के लिये तमाम पेशे हैं। साथ ही यह भी कि किसी डेढ़ पेज की प्रेस विज्ञप्ति में यदि कोई डेढ़ लाइन की खबर निकाल सके, तो वही असली पत्रकार है। बाकी सब विज्ञापन है। लेकिन विडंबना यह है कि आज विश्वविद्यालयों से निकलने वाले पत्रकारिता के छात्रों में बिरले ही ऐसे होते हैं, जो वेतन, पैकेज व पद के सम्मोहन से मुक्त होकर मिशनरी पत्रकारिता का जज्बा रखते हों। आज पत्रकारिता के नवसाक्षरों की बड़ी फौज पत्रकारिता के ग्लैमर व प्रसिद्धि के प्रलोभन में इस पेशे में आती है। उसे आजादी की लड़ाई में सर्वस्व अर्पित करने वाले 'स्वराज' अखबार का शायद ही भान हो, जिसके ढाई वर्ष के अल्पकाल में संपादकों को डेढ़ सौ साल की सजाएं हुई। लेकिन उसके बावजूद संपादक पद के लिये विज्ञापन देने पर जज्बे के पत्रकारों की लाइन लग जाती थी। निश्चित रूप से पत्रकारिता जीवन मूल्यों की शुचिता व सामाजिक दायित्वों का पेशा है। यह विशुद्ध कारोबार या व्यवसाय नहीं हो सकता है। विडंबना यह है कि तकनीकी क्रांति के बाद जब से बड़ी पूंजी की समाचारों के प्रकाशन में दखल बढ़ी है, तब से संपादक नामक संस्था क्षीण हुई है और पूंजीपति की दखल में वृद्धि हुई है। पिछली सदी में एक दिग्गज संपादक की वह टिप्पणी आज भी प्रासंगिक है कि 'भविष्य के अखबार रूप-रंग व प्रकाशन में तो आकर्षक होंगे, लेकिन उनमें पत्रकारिता की आत्मा न होगी।' निश्चय ही आज बाजार और राजनीति की दखल के चलते पत्रकारिता के समक्ष बड़ी चुनौती बनी है। वहीं नई पीढ़ी के कथित ऑनलाइन व डिजिटल सम्मोहन के चलते प्रिंट पत्रकारिता से छिटकना भी चिंता की बात है। कॉन्वेंट स्कूलों से निकलने वाले छात्र हिंदी भाषायी समाचार पत्रों से विमुख हुए हैं। उनका समाचार पत्रों से विमुख होना भारतीय परिवेश, संस्कृति व मातृभाषा से दूर होना भी है। ये संपादकों को सोचना होगा कि समाचार पत्रों से नई पीढ़ी का लगाव कैसे गहरा किया जाए।

हीट वेव की गिरफ्त में भारत तपती धरती, तड़पता जीवन

योगेश कुमार गोयल

वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में वृद्धि से आगामी वर्षों में हीट वेव, गर्मी का मौसम ज्यादा समय तक रहने और सर्दी के मौसम का समय घटने जैसी स्थितियां पैदा होंगी। इस बारे में वैज्ञानिकों का स्पष्ट कहना है कि जिस जलवायु परिवर्तन के बारे में अब तक हम केवल पढ़ते-सुनते रहे थे, वह अब हमारे सामने आकर खड़ा हो गया है।

बदलती जलवायु के कारण भारत सहित दुनिया के अनेक हिस्से भीषण हीट वेव की चपेट में है। अब यह संकट पारंपरिक क्षेत्रों से निकलकर तटीय इलाकों तक फैल चुका है। अंधाधुंध शहरीकरण, घटती हरियाली और कंक्रीट के बढ़ते निर्माण से 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे दिन और रातें अत्यधिक गर्म हो रही हैं। राजस्थान के बाड़मेर से लेकर दिल्ली की गलियों और विदर्भ के मैदानों तक पारा 45 डिग्री सेल्सियस के स्तर को पार कर चुका है। यह केवल बढ़ते तापमान का आंकड़ा नहीं है बल्कि यह एक गहराता सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट और आर्थिक चेतावनी है। हीट वेव अब केवल मौसमी असुविधा नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और मानव अस्तित्व के लिए गंभीर संकट बन चुकी है। बढ़ते तापमान, घटती हरियाली और कंक्रीट के फैलते जंगलों ने जीवन को लू की लपटों में समेट दिया है।

मौसम विभाग और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के ताजा आंकड़ों ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। पिछले चार दशकों में हीट वेव (लू) से होने वाली मौतों में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि हीट वेव अब केवल अपने पारंपरिक गढ़ (उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत) तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने दक्षिण भारत के उन तटीय इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है, जो ऐतिहासिक रूप से कम ताप प्रभावित रहते थे। अध्ययन बताते हैं कि 1981 से 2000 के बीच लू की औसत अवधि जहां 2.5 से 5.5 दिन थी, वहीं 2001 से 2020 के बीच यह बढ़कर 8.5 दिन तक पहुंच गई। लू का भौगोलिक दायरा भी 11.9 लाख वर्ग किलोमीटर से फैलकर 18.1 लाख वर्ग किलोमीटर हो चुका है। यह विस्तार बताता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की कड़वी हकीकत है। हमारे शहर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील हो चुके हैं, जो दिनभर गर्मी सोखते हैं और रात में उसे मुक्त करते हैं, जिससे 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव पैदा होता है। इस तपती आग में सबसे अधिक जोखिम उन लोगों (रेहड़ी-पटरी वाले, निर्माण श्रमिक और दिहाड़ी मजदूर) का है, जो खुले आसमान के नीचे अपना वजूद तलाशते हैं। इनके पास न तो कूलिंग सेंटर की सुविधा है और न ही काम के घंटों में लचीलापन। इसके साथ ही बच्चे और बुजुर्ग इस बढ़ते 'डिस्कंफर्ट इंडेक्स' के सबसे आसान शिकार बन रहे हैं।

वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में वृद्धि से आगामी वर्षों में हीट वेव, गर्मी का मौसम ज्यादा समय तक रहने और सर्दी के मौसम का समय घटने जैसी स्थितियां पैदा होंगी। इस बारे में वैज्ञानिकों का स्पष्ट कहना है कि जिस जलवायु परिवर्तन के बारे में अब तक हम केवल पढ़ते-सुनते रहे थे, वह अब हमारे सामने आकर खड़ा हो गया है। भारत में मई का महीना

गर्म हवाओं (लू) का चरम समय होता है और लू की घटनाओं को भी मौसम में दिन-प्रतिदिन बदलाव का स्वाभाविक हिस्सा माना जाता है लेकिन चिंता की बात यही है कि लू की तीव्रता लगातार वर्ष दर वर्ष बढ़ रही है। पिछले करीब डेढ़ दशकों में 2009, 2010, 2016, 2017 और 2022 भारत में रिकॉर्ड किए गए पांच सबसे गर्म वर्ष रहे। आईएमडी के मुताबिक 15 सबसे गर्म वर्षों में से 11 वर्ष 2008 से 2022 के बीच ही दर्ज किए गए।

यह जानना भी जरूरी कि हीट वेव आखिर है क्या? जैसा कि नाम से ही जाहिर है, हीट वेव अत्यधिक गर्म मौसम की अवधि है, जो प्राय: दो या ज्यादा दिनों तक रहती है। जब तापमान किसी क्षेत्र के सामान्य औसत तापमान से अधिक हो जाता है तो उसे 'हीट वेव' कहा जाता हं। आईएमडी के अनुसार मैदानी इलाकों का अधिकतम तापमान जब 40 डिग्री सेल्सियस तक और पहाड़ी क्षेत्रों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो लू चलने लगती है और यदि तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो यह खतरनाक लू की श्रेणी में कही जाती है। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में जब तापमान 37 डिग्री सेल्सियस हो जाता है तो लू चलने लगती है। हीट वेव के कारण लोगों के बीमार होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बहुत बढ़ जाता है तथा सैंकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 1998 से 2017 के बीच हीट वेव के कारण 1.66 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और यह आंकड़ा अब वर्ष दर वर्ष तेजी से बढ़ रहा है।

आईआईटी खडगपुर के एक अध्ययन से यह स्पष्ट हो चुका है कि तापमान में वृद्धि तथा लू का मानव शरीर पर व्यापक असर पड़ रहा है। गर्म हवाओं से ब्रेन स्ट्रोक, हृदयाघात, नसों में खून के थक्के जमने की आशंका, स्थायी विकलांगता का खतरा बढ़ जाता है और इससे मृत्यु दर में भी वृद्धि हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, हीट वेव बाढ़ के बाद दूसरी सबसे घातक आपदा है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौतियां पेश कर रही है। लू का असर हृदय तथा फेफड़े जैसे अंगों पर सर्वाधिक पड़ता है, जो बेहद खतरनाक हो सकता है। हीट वेव से ऐसे लोगों की स्थिति और खराब होने की संभावना होती है, जो हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, गुर्दे की बीमारी इत्यादि समस्याओं से पीड़ित हैं। आईएमडी के मुताबिक वैसे तो हर साल दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना इत्यादि उत्तर पश्चिमी भारत, मध्य, पूर्व और उत्तर प्रायद्वीपीय भारत के मैदानी इलाकों में मार्च से जून के दौरान हीट वेव का दौर चलता है लेकिन जैसे-जैसे पृथ्वी की जलवायु गर्म होती जा रही है, दिन और रात भी सामान्य से अधिक गर्म होते जा रहे हैं, जिससे हीट वेव की घटनाएं बढ़ रही हैं और मौतों तथा बीमारियों की आशंका भी बढ़ रही है।

प्रश्न यह है कि भारत में हीट वेव को लेकर ऐसी स्थिति क्यों निर्मित हो रही है? पिछले 30 वर्षों के तापमान तथा गर्म हवाओं का आकलन करते हुए आईआईटी खडगपुर के एक अध्ययन में यह स्पष्ट किया गया था कि घटती हरियाली, शहरीकरण तथा कंक्रीट से निर्माण के कारण ही अब प्रतिवर्ष हीट वेव में वृद्धि हो रही है। प्राय: देखा जाता है कि एक ही शहर में कुछ जगहों पर उच्च तापमान दर्ज किया जाता है तो कुछ जगहों पर तापमान कम रहता है। कुछ स्थानीय कारण इसके लिए जिम्मेदार होते हैं। दरअसल अधिक हरे-भरे इलाकों में तापमान कम दर्ज किया जाता है जबकि चारों ओर बसी कालोनियों तथा ऊंची-ऊंची इमारतों वाले इलाकों में तापमान ज्यादा दर्ज होता है। तकनीकी भाषा में इसे 'अर्बन हीट आईलैंड इफैक्ट' कहा जाता है। पेड़-पौधों की कमी, अधिक शहरीकरण तथा कंक्रीट से अधिक निर्माण इत्यादि विविध कारणों से शहर ज्यादा तप रहे हैं। इसके पीछे एक बड़ी वजह शहरों में निरन्तर बढ़ता जनसंख्या घनत्व भी है। जनसंख्या का घनत्व बढ़ते जाने से हरियाली नष्ट हो रही है और शहरों में हरे-भरे प्राकृतिक क्षेत्रों को भी सीमेंट तथा कंक्रीट के तपते जंगलों में तब्दील किया जा रहा है। दुनियाभर में विभिन्न शोधों के आधार पर वैज्ञानिक जलवायु संकट को ही लू के लिए जिम्मेदार मान रहे है, जिनका कहना है कि शहरीकरण तथा जनसंख्या घनत्व इसमें बड़ा योगदान देते हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के मुताबिक लू से अर्थव्यवस्था को चौतरफा नुकसान होता है। डब्ल्यूएमओ का कहना है कि बढ़ते तापमान का अर्थ हीट वेव का बढना, बहुत ज्यादा मात्रा में बर्फ का पिघलना, समुद्र जलस्तर का बढना तथा मौसम की चरम घटनाओं का और ज्यादा विनाशकारी होना है, जिसका सीधा प्रभाव पर्यावरण, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और सतत विकास पर पड़ेगा। इतिहास के सबसे गर्म वर्षों में लगभग सभी साल पिछले तथा इस दशक से ही रहे हैं। ब्रिटिश मौसम कार्यालय के एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने कहा है कि यदि जलवायु पवित्तन नहीं हो रहा होता तो ऐसा चरम तापमान प्रत्येक 312 वर्षों में एक बार ही देखने को मिलता। अध्ययन में शोधकर्ताओं ने भारत और पाकिस्तान में हर तीन साल बाद प्रचण्ड लू की आशंका जताते हुए दावा किया कि जलवायु परिवर्तन गर्मी की तीव्रता को जिस तेजी से बढ़ा रहा है, उससे इन क्षेत्रों के लोगों को आने वाले वर्षों में सौ गुना ज्यादा लू के थपेड़े झेलने पड़ सकते हैं।

बहरहाल, अत्यधिक तापमान से जहां सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में प्राथमिक तथा माध्यमिक स्तर की स्वास्थ्य प्रणालियों की चिंता बढ़ जाती है, वहीं हीट वेव का श्रमिकों की उत्पादकता पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है, जिससे देश की समग्र अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत अत्यधिक गर्मी के कारण करीब 101 अरब घंटे खो देता है, जो पूरी दुनिया में सर्वाधिक है और 3.5 करोड़ लोगों द्वारा एक वर्ष में 8 घंटे कार्य करने वाले लोगों द्वारा किए गए कार्य के बराबर है। आईएलओ की रिपोर्ट में भीषण गर्मी तथा लू के कारण 2030 तक दुनियाभर में अर्थव्यवस्था को 4.2 ट्रिलियन डॉलर की क्षति का अनुमान लगाया गया है। भारत के संदर्भ में इम्पीरियल कॉलेज में जलवायु विज्ञान के सीनियर लेक्चरर डॉ. फ्रेडरिक औटो कहते हैं कि भारत में मौजूदा गर्म हवाओं का एक बड़ा कारण कोयला तथा अन्य जीवाश्म ईंधन का जलाया जाना है और जब तक ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन बंद नहीं होगा, तब तक भारत तथा अन्य स्थानों पर हीट वेव और भी गर्म व खतरनाक होती जाएगी। इन घातक स्थितियों से बचने के लिए जलवायु संकट से निपटने के अन्य उपायों के अलावा प्राकृतिक जंगलों के संरक्षण तथा आवासीय इलाकों में भी हरियाली बढ़ाने के लिए वृक्षारोपण अभियान को भी बढ़ावा देना होगा।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

पेपर लीक का सबसे अच्छे वाला कनेक्शन

राजनीति से तो पेपर लीक का कनेक्शन भरा पड़ा है। बस अगर पैसा, जुगाड़ और कनेक्शन न हो तो परीक्षार्थियों से ही इसका कोई कनेक्शन नहीं निकल पाता।

देखो जी, पेपर लीक का यूं तो पता नहीं किस-किस से कनेक्शन निकल रहा है। अपने यहां तो ऐसे उद्यमियों की भी कोई कमी नहीं जो भगवान से भी इसका कनेक्शन निकाल देंगे। पता चले कि किसी दिन शिक्षा मंत्री महोदय प्रेस कांफ्रेंस कर घोषणा कर रहे हैं कि यह एक्ट ऑफ फ्रॉड नहीं, एक्ट ऑफ गॉड है। जब रामजी सत्ता दिलाने और सत्ता बचाने के काम आ सकते हैं तो वे मंत्रीजी की कुर्सी बचाने के काम क्यों नहीं आ सकते। राजनीति से तो पेपर लीक का कनेक्शन भरा पड़ा है। बस अगर पैसा, जुगाड़ और कनेक्शन न हो तो परीक्षार्थियों से ही इसका कोई कनेक्शन नहीं निकल पाता। वरना तो कहीं राजस्थान से इसका राजनीतिक कनेक्शन निकल रहा है, तो कहीं महाराष्ट्र से।

वैसे भी किसी घपले-घोटाले का जब तक राजनीति से कनेक्शन न बैठे, तब तक उसका वजन बनता ही नहीं। पर पेपर लीक तो ऐसा मामला हो गया है जी कि इसका जिससे चाहो उससे कनेक्शन निकाल

लो-राजनीति से, नेताओं से, कोचिंग सेंटरों से, कालेजों और खासतौर से प्राइवेट कालेजों से उसका कनेक्शन निकल ही आता है। मास्टरों से उसका कनेक्शन, अफसरों से उसका कनेक्शन। टेस्टिंग एजेंसी से लेकर पेपर का अनुवाद करने वालों तक ऐसा कोई नहीं बचा, जिसका इससे कनेक्शन न हो।

जिसका इससे कनेक्शन न निकले, वह टेंशन में आ सकता है कि हाय मेरा ही कोई कनेक्शन न निकला। क्या मैं इतना बुरा हूं भैया। जिसका कनेक्शन न निकले, वह आश्वस्त रह सकता है कि इस बार नहीं तो अगली बार उसका कनेक्शन अवश्य ही निकल आएगा। कोई अगर जांच वगैरह से बचने के लिए अपने कनेक्शन से इंकार करना चाहे तो वह भी किया सकता है कि जनाब, मेरा कनेक्शन तो पिछले पेपर लीक से था, इस बार के पेपर लीक से मेरा कोई कनेक्शन नहीं है। पेपर लीक कोई गुजरा हुआ वक्त नहीं है कि लौट के आएगा ही नहीं। बताते हैं कि अब तक कोई सत्तर बार लौट चुका।

खैर जो भी हो, हमें सबसे ज्यादा पसंद आया ब्यूटी पार्लर से इसका कनेक्शन। जी हां, नीट पेपर लीक का ब्यूटी पार्लर से भी अच्छा-खासा कनेक्शन है। पता चला कि फैशियल कराते-कराते साथ में थोड़ा पेपर भी लीक हो रहा है। पता चला कि मेनीक्योर-पेडिक्योर के साथ-साथ गुजारिश की जा रही है कि थोड़ा पेपर लीक हो जाता मैडम, तो कुछ हमारी भी एक्स्ट्रा इनकम हो जाती। ब्यूटी पार्लर के बाद अब फैशन डिजाइनरों से भी इसका कनेक्शन निकल सकता है।

पत्रकारिता का सर्वकालिक कर्मपथ प्रदर्शक उदन्त मार्तंड

विजय श्रीधर

आज से दो सौ साल पहले 30 मई 1826 को पं. युगल किशोर शुक्ल ने कोलकाता से 'उदन्त मार्तण्ड' यानी 'समाचार-सूर्य' शुरू किया था। वही हिन्दी का पहला समाचारपत्र था। इसी दिन को हर साल हिन्दी पत्रकारिता दिवस मनाते हैं। आज 30 मई 2026 को 200 साल पूरे हो रहे हैं।

हिंदी पत्रकारिता बिरादरी के लिए आज गर्व और गौरव का दिन है। यह दौ सौ साल का कालखंड हमारे पूर्वजों के अदम्य साहस, संघर्ष, सामाजिक बदलावों की प्रतिबद्धता और स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान का गवाह है। नई पीढ़ी की पत्रकार बिरादरी के लिए यह आत्ममंथन का समय भी है ताकि आने वाली चुनौतियों का मुकाबला किया जा सके। आज से दो सौ साल पहले 30 मई, 1826 को पं. युगल किशोर शुक्ल ने कोलकाता से 'उदन्त मार्तण्ड' यानी 'समाचार-सूर्य' शुरू किया था। वही हिन्दी का पहला समाचारपत्र था। इसी दिन को हर साल हिन्दी पत्रकारिता दिवस मनाते हैं। आज 30 मई, 2026 को 200 साल पूरे हो रहे हैं।

इस समाचार पत्र की आदि प्रतिज्ञा में सर्वकालिक पत्रकारिता का लक्ष्य निहित है। जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है। 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रवेशांक में पं. शुक्ल ने लिखा था— 'हिन्दुस्तानियों के हित के हेत...!' इस प्रतिज्ञा का गहरे निहितार्थ यही है कि वक्त बदले पर पत्रकारिता का कर्म-पथ यही रहेगा।

निश्चिय ही यदि पत्रकारिता के इतिहास का प्रामाणिक शोधन न होता तो 'उदन्त मार्तण्ड' गुमनामी के कालखंड में ही रह जाता। साल 1931 तक 'बनारस अखबार' 1845 को ही हिंदी का पहला पत्र माना जाता था। इतिहास के शोधन के क्रम में ब्रजेन्द्र नाथ बंधोपाध्याय को राजा राधाकान्त देव के पुस्तकालय में 'उदन्त मार्तण्ड' की फाइल मिली। इससे प्रमाणित हुआ कि 30 मई, 1826 का 'उदन्त मार्तण्ड' ही पहला हिन्दी पत्र है। बनारसी दास चतुर्वेदी ने 'विशाल भारत' 1931 में यह शोध छापा और तब ही देश की पत्रकार बिरादरी को इस महत्वपूर्ण तथ्य का पता चला।

जैसा कि हमारे पूर्वज निजी प्रचार से दूर रहते थे, वैसे ही ऋषिकर्म करने वाले पं. युगलकिशोर जी का कोई फोटो इस समाचारपत्र के दस्तावेजों में नहीं मिला। इतिहास शोधन में भी पं. युगलकिशोर शुक्ल

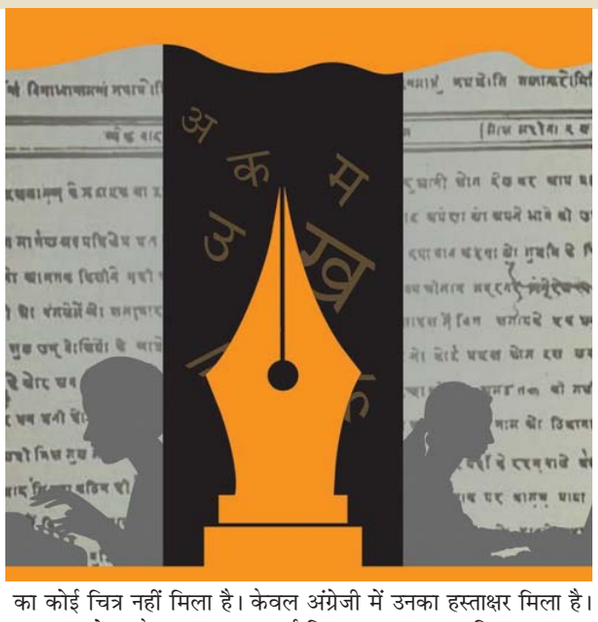

का कोई चित्र नहीं मिला है। केवल अंग्रेजी में उनका हस्ताक्षर मिला है। पर गूगल ने उनके स्थान पर आचार्य शिवपूजन सहाय का चित्र लगा रखा है। पं. युगलकिशोर शुक्ल के प्रथम प्रयास में भी प्रतिरोध के स्वर नजर आए। निस्संदेह, हिन्दी पत्रकारिता मूलत: प्रतिरोध की पत्रकारिता रही है। 14 मार्च, 1878 को लार्ड लिटन ने 'वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट' लाते समय 'मालवा अखबार' और बांग्ला पत्रों का हवाला दिया। लिटन ने कहा 'हर एक दरबार में और मध्यभारत के हर एक बाजार में समाचार पढ़ा जाता है।' इसी क्रम में जनवरी, 1900 में 'सरस्वती' और 'छत्तीसगढ़ मित्र' का प्रकाशन हुआ। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने भाषा, साहित्य और पत्रकारिता को संस्कारित किया। माधवराव सप्रे को हिन्दी नवजागरण का पुरोधा माना जाता है। माखनलाल चतुर्वेदी ने कहा कि आज की हिन्दी भाषा का तेज द्विवेदी जी और सप्रे जी का दिया हुआ है। हमारे पूर्वजों में सच को सामने लाने का जज्बा था। इसके लिये वे सब कुछ दांव पर लगाने को तत्पर रहते थे। खोजी पत्रकारिता आपातकाल के बाद नहीं, पहले से थी। 'प्रताप' के 1915-16 के अंकों में निलहे गोरों के अत्याचार की रिपोर्ट छपी। मुंशीगंज और रायबरेली कांड की रिपोर्ट भी 'प्रताप' में छपी। 'कर्मवीर' संपादक माखनलाल चतुर्वेदी खुद घटनास्थल पर गए थे। सार्थक परिभाषा : 'जिसे छापने से रोका जाए, वही खबर है। बाकी सब प्रचार है।'

ऐसा नहीं था कि हिंदी पत्रकारिता सिर्फ स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान तक ही सक्रिय रही। हिंदी पत्रकारिता ने सामाजिक कुरीतियों, अंधविश्वास, कूप-मंडूकता के खिलाफ भी बिगुल बजाया। 'प्रताप' 9-11-1913 में गणेश शंकर विद्यार्थी ने लिखा कि 'हम प्राचीन सभ्यता की प्रशंसा करेंगे पर सामाजिक कुरीतियों को भी उजागर करेंगे, क्योंकि मिथ्याभिमान जातियों के सर्वनाश का कारण होता है।' विद्यार्थी जी मानते थे कि पत्रकार की समाज के प्रति जिम्मेदारी है। वह प्रमाण और परिणाम का विचार रखकर लिखे और अपनी गति-मति में सदैव शुद्ध रहे।

कालांतर हिंदी के प्रबुद्ध संपादकों ने हिन्दी की शब्द संपदा को समृद्ध किया। वर्ष 1920 में 'आज' दैनिक शुरू हुआ। संपादक बाबूराव विष्णु पराडकर ने हिन्दी पत्रकारिता का मानक रूप तय किया। वर्तनी को एकरूपता, अंग्रेजी शब्दों के लिए हिन्दी शब्द गढ़े: मिस्टर-श्री, मिसेज-श्रीमती, ब्लैकआउट-अंधकूप, इंटरनेशनल-अंतर्राष्ट्रीय, डेमोक्रेसी-लोकतंत्र, प्राइम मिनिस्टर-प्रधानमंत्री आदि।

भारतीय चिंतन में आध्यात्मिक धारा की प्रबलता के चलते कालांतर आध्यात्मिक पत्रकारिता का भी विस्तार हुआ। अक्तूबर, 1926 में गीता प्रेस से 'कल्याण' का प्रकाशन आरंभ हुआ। सही मायनों में संपादक हनुमान प्रसाद पोद्दार ने आध्यात्मिक पत्रकारिता का मानक रचा। 'कल्याण' के दो नियम आज भी प्रासंगिक हैं। पहला प्रतिमाह निश्चित तिथि को प्रकाशन हो और दूसरा, अंक में अशुद्धि हो तो उसी अंक में शुद्धिपत्र का प्रकाशन किया जाए।

हमारे पूर्वजों ने पत्रकारिता के ऊंचे मूल्यों व गरिमा के लिए दायित्वों का भी उल्लेख किया। वर्ष 1927 में माखनलाल चतुर्वेदी ने कहा कि समाचारपत्र बड़ी ताकत हैं तो उनके सिर जोखिम भी कम नहीं। पर्वत की जो शिखरें हिम से चमकती हैं, उन्हें ऊंची होना पड़ता है।

निश्चित रूप से नीर-क्षीर विवेक पत्रकारिता का अपरिहार्य गुण माना जाता है। 'समालोचक' पत्रिका के मुख्य पृष्ठ पर श्लोक छपता था— 'नीर-क्षीर विवेके हंसाऽलस्यं त्वमेव तनुषे चेत?। विश्वस्मिन् धुनाऽन्य: कुलव्रतं पालयिष्यतिक:॥' अर्थ : हे हंस! जल-दूध अलग करने में यदि तू आलस्य करेगा तो संसार में कुलव्रत कौन निभाएगा?

जनाकांक्षाओं से जुड़ी किसी भी खबर को समाचार पत्र में पर्याप्त स्थान दिया जाना जरूरी होता है। वर्ष 1942 की दिवाली को जयप्रकाश नारायण हजारीबाग जेल से निकल भागे। प्रेस नोट में उनका नाम था पर ज्यादातर पत्रों ने सिंगल कॉलम में छोटी खबर छापी। 'विश्वमित्र' के संपादक सत्यदेव विद्यालंकार ने पहले पेज पर मुख्य बैनर बनाया— 'जयप्रकाश नारायण हजारीबाग जेल से भाग निकले!' हिंदी पत्रकारिता की परंपरा में लोकचेतना का भरपूर विकास भी हुआ। हिन्दी पत्रकारिता ने दो बड़े काम किए—पहला, देश-दुनिया में दिलचस्पी लेने वाला एक बड़ा पाठक वर्ग तैयार किया। दूसरा भारतीय भाषाओं को साफ-सुथरी गद्य परंपरा दी। तब साहित्य और पत्रकारिता की सीमाएं मिली-जुली थीं। भाषा की कसौटी को लेकर भवानीप्रसाद मिश्र जी की टिप्पणी सारगर्भित व मार्गदर्शक है। मिश्र जी ने लिखा— 'जिस तरह हम बोलते हैं उस तरह तू लिख, और इसके बाद भी हमसे बड़ा तू दिख।'

यह एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि हिंदी पत्रकारिता के विकास में हिन्दीतर भाषी मनीषियों का महत्वपूर्ण अवदान रहा है। स्वामी दयानंद, महात्मा गांधी, माधवराव सप्रे, बंकिमचन्द्र चटर्जी, अमृतलाल चक्रवर्ती जैसे गैर-हिन्दी भाषियों का हिन्दी पत्रकारिता में बड़ा योगदान है।

देश के जनमानस को सत्य व तथ्य से अवगत कराने के लिए पत्रकारों ने बड़ी कीमत भी चुकाई। प्रत्यक्ष और परोक्ष तौर पर आपातकाल और सेंसरशिप का डटकर मुकाबला किया। देश में 25/26 जून, 1975 की रात आपातकाल लगा। इंदौर की 'नई दुनिया', कानपुर के 'दैनिक जागरण', 'इंडियन एक्सप्रेस' ने संपादकीय खाली छोड़ दिया। काशी के 'गांडीव' ने पहले पेज पर 108 बार 'प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जय' लिखा। नीचे संपादक डॉ. भगवानदास अरोड़ा का नाम था। पुलिस ने धमकी दी। संपादक जी पूरे 19 माह जेल में रहे। हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्ष पूरे होने के मौके पर जनसरोकारों के लिए अपना सर्वस्व अर्पित करने वाले तमाम कलमकारों का सादर स्मरण।

लेखक पत्रकारिता तीर्थ सप्रे संग्रहालय भोपाल के संस्थापक हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

समस्याओं के प्रति लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेंगे: ललित

दुर्ग। सुशासन का मतलब - हर हाथ को काम, हर सिर पर छत और हर चेहरे पर मुस्कान। यही शासन की मंशा है। विधायक ललित चंद्राकर ने सुशासन शिविर में ये बातें कहीं। उन्होंने विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सुशासन तिहार में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का निराकरण तय समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से करें। किसी भी अधिकारी-कर्मचारी की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शासन जनता के द्वार पर है, तो जवाबदेही भी तय होगी। इस अवसर पर जिला पंचायत सभापति प्रिया साहू, दुर्ग जनपद पंचायत अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन, हेमंत सिन्हा, लिकेश्वर देशमुख, मेनका देशमुख आदि मौजूद थे।

मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए जागरूकता अभियान

भिलाई। जल जनित मौसमी बीमारियों से बचाव और रोकथाम के संबंध में कार्यालय नगर पालिका निगम में अन्तर्विभागीय बैठक आयोजित की गई। आयुक्त राजीव पांडे की उपस्थिति में स्वास्थ विभाग से जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. सीबीएस बंजारे द्वारा जल जनित मौसमी बीमारियों के बारे में बताया गया। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. रश्मि ग्लैड द्वारा राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग डेंगू मलेरिया से बचाव और नियंत्रण के संबंध में बताया गया। सीएमएचओ डॉ. अजय दानी ने निगम क्षेत्र अंतर्गत वर्षा ऋतु के पूर्व जल जनित रोग (मौसमी बीमारियों) के रोकथाम बचाव के लिए प्रारंभिक तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की।

पीएम आवास किराए पर देने से आवंटन निरस्त होगा : अलका

दुर्ग। महापौर अलका बाघमार ने लाटरी सिस्टम से पीएम आवास का आवंटन किया। अलाटमेंट लेटर सौंपते समय महापौर ने हितग्राहियों को चेतावनी दी कि आवास किराए पर न दे अन्यथा आवंटन निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। उन्हें ऐसा इसलिए कहना पड़ा क्योंकि उन्हें इस तरह की शिकायतें मिल रही है कि हितग्राही आवास का आधिपत्य मिलने के बाद किराए पर दे रहे हैं। महापौर ने इन शिकायतों की जांच करने के साथ ही नए हितग्राहियों इस तरह का कृत्य न करने को लेकर आगाह किया। निगम प्रत्येक माह प्राप्त आवेदनों के आधार पर लॉटरी के माध्यम से आवासों का आवंटन कर रहा है। गोकुल नगर में 1, सरस्वती नगर में 5 और मां कर्मा बोरसी में 4 आवासों के लिए 10 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका लॉटरी से आवंटन किया गया।

निधन : एचएससीएल के पूर्व अफसर नारायण दास गुप्ता

भिलाई। 40/ए, सड़क 36, सेक्टर 4 निवासी एचएससीएल के सेवानिवृत्त

अधिकारी नारायण दास गुप्ता का 24 मई 2026 को कटनी (म. प्र.) में निधन हो गया। अंतिम संस्कार उनके गृह ग्राम लखेरा, कटनी में संपन्न हुआ. वे तुषार गुप्ता एवं तन्मय गुप्ता के पिता, शीलू गुप्ता और अर्चना गुप्ता के ससुर एवं शैवी, छवि और शार्विल के दादा थे।

घर के अंदर भी बच्चे हीट स्ट्रेस की चपेट में आ रहे, अस्पताल पहुंचने वाले 100 में से 98 पर हीट स्ट्रोक का प्रभाव

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। गर्मी सिर्फ घर के बाहर नहीं है। घर के अंदर का तापमान भी बढ़ा हुआ है। इसकी चपेट में घर के सभी रहवासी आ रही हैं पर बुजुर्गों और बच्चों पर यह तापमान बहुत भारी पड़ रहा है। वे हीट स्ट्रेस और डिहाइड्रेशन की चपेट में आ रहे हैं।शहर में कल का तापमान 44 डिग्री पार कर गया। पिछले तीन दिनों से पारा 45 के आसपास ही बना हुआ है।

डॉक्टरों के मुताबिक उनके यहां पहुंचने वाले 100 में से 98 बच्चे दस्त, उल्टी, तेज बुखार, कमजोरी और सुस्ती से पीड़ित मिल रहे हैं। बंद कमरे, अपर्याप्त वेंटिलेशन और गर्म मौसम के कारण बच्चों के शरीर का तापमान नियंत्रित नहीं होता है।

विशेषज्ञों के अनुसार बच्चों में हीट स्ट्रोक जैसे लक्षण नहीं दिख रहे, लेकिन शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी हो रही है। वर्तमान स्थिति में बच्चों को समय-समय पर ओआरएस घोल, पानी व तरल पदार्थ देकर हीट वेब के शुरुआती प्रकोप से सुरक्षित किया जा सकता है। बच्चा सुस्त दिखाई दे, बार-बार सोने लगे, दूध या भोजन लेने से मना करे या उसकी आंखें धंसी हुई लगें तो इसे गंभीर संकेत मानना चाहिए।

जब शरीर अधिक गर्मी के कारण अपना तापमान सामान्य नहीं रख पाता तो हीट स्ट्रेस की स्थिति बनती है। बच्चों में यह समस्या तेजी से विकसित होती है क्योंकि उनका शरीर वयस्कों की तुलना में कम सक्षम होता है। समय पर पानी ओआरएस और चिकित्सकीय सलाह से गंभीर स्थिति से बचा जा सकता है। विशेषज्ञों का कहना कि गर्मी के इस मौसम में अभिभावकों को अपने बच्चों को केवल धूप से बचाने पर ही नहीं, बल्कि घर के अंदर उनको हाइड्रेट रखने पर जोर देना चाहिए।

दवाओं के इस्तेमाल को सुरक्षित और प्रभावी बनाने आईआईटी भिलाई ने विकसित की स्मार्ट तकनीक

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई के शोधकर्ताओं ने स्वास्थ्य सामग्री (हेल्थकेयर मैटेरियल्स) के क्षेत्र में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक नई 'स्मार्ट' दवा-वितरण (ड्रग-डिलिवरी) सामग्री विकसित की है। डॉ. संजीब बैनर्जी के नेतृत्व में शोधकर्ता स्वरूप माईती, सुदीप्त पॉल, संदीपन घोष और डॉ. संजय कुमार गुप्ता की टीम द्वारा तैयार की गई यह अनूठी तकनीक दवाओं को पेट के तेज एसिड से सुरक्षित रखते हुए आंत में नियंत्रित तरीके से छोड़ने में पूरी तरह सक्षम है। यह नवाचार भविष्य में मुंह से ली जाने वाली (मौखिक) दवाओं को अधिक सुरक्षित, सटीक और अत्यधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम साबित हो सकता है।

आमतौर पर मुंह से ली जाने वाली कई महत्वपूर्ण दवाएं पेट के अत्यधिक अम्लीय (एसिडिक) वातावरण के कारण आंत तक पहुंचने से पहले ही अपनी प्रभावशीलता खो देती हैं। पेट का एसिड दवा के लक्षित स्थान पर पहुंचने से पहले ही उसके सक्रिय तत्वों को नुकसान पहुंचा देता है, जिससे दवा का

असर काफी कम हो जाता है और मरीजों को बीमारी के इलाज के लिए बार-बार या अधिक मात्रा में दवा लेने की आवश्यकता पड़ती है।

इस गंभीर चिकित्सा चुनौती का दीर्घकालिक समाधान खोजने के लिए आईआईटी भिलाई की टीम ने एक ऐसा 'स्मार्ट वाहक' (स्मार्ट कैरियर) विकसित किया है, जो दवा के ऊपर एक मजबूत सुरक्षात्मक कवच की तरह काम करता है। यह उन्नत सामग्री पेट के तीव्र अम्लीय वातावरण में पूरी तरह स्थिर रहती है और जैसे ही यह आंत के अनुकूल वातावरण में पहुंचती है, यह अपने-आप सक्रिय होकर दवा को धीरे-धीरे व आवश्यकतानुसार नियंत्रित तरीके से छोड़ती है।

इस अभूतपूर्व शोध की सबसे बड़ी विशेषता इस सामग्री का स्मार्ट और संवेदनशील होना है, जो मानव शरीर के आंतरिक बदलावों व जैविक संकेतों को महसूस कर उसी के अनुरूप सटीक प्रतिक्रिया देती है। इसके अतिरिक्त, इस सामग्री में शोधकर्ताओं द्वारा एक 'इनबिल्ट चमक' (फ्लोरोसेंस) भी शामिल की गई है, जिसकी मदद से वैज्ञानिक शरीर के भीतर दवा की सुरक्षित आवाजाही और उसकी सटीक गतिशीलता को आसानी से ट्रैक (निगरानी) कर सकते हैं। प्रयोगशाला और पशुओं पर किए गए शुरुआती अध्ययनों (प्री-क्लीनिकल ट्रायल्स) में इस तकनीक के बेहद उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं, जहाँ इस सामग्री ने पेट जैसी कठिन परिस्थितियों में भी दवा की सफलतापूर्वक रक्षा की, जिससे भविष्य में दवाओं के दुष्प्रभाव (साइड इफेक्ट्स) कम होने और चिकित्सीय प्रभाव में भारी सुधार होने की प्रबल संभावना है।

आईआईटी भिलाई के मुख्य शोधकर्ता डॉ. संजीब बैनर्जी ने इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह शोध चिकित्सा जगत को अधिक स्मार्ट, सटीक और लक्षित दवाओं (टारगेटेड मेडिसिन) की दिशा में एक कदम आगे ले जाता है। संस्थान का मुख्य उद्देश्य ऐसी उन्नत प्रणालियां विकसित करना है जो दवाओं की बर्बादी को रोकें, उन्हें शरीर के सही स्थान पर पहुंचाएं और वैश्विक स्तर पर मरीजों की सुरक्षा व चिकित्सा सुविधा को और बेहतर बना सकें।

उल्लेखनीय है कि यह महत्वपूर्ण शोध कार्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अत्यधिक प्रतिष्ठित और मान्यता प्राप्त जर्नल 'एसीएस एप्लाइड मैटेरियल्स एंड इंटरफेसेज' में भी प्रकाशित हुआ है, जो भविष्य की स्मार्ट दवा-वितरण तकनीकों में भारत के बढ़ते कदमों और इस नवाचार की वैश्विक प्रासंगिकता को रेखांकित करता है।

दल्ली राजहरा में एक्सकावेशन कार्यों पर सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

श्रीकंचनपथ समाचार

दल्ली राजहरा। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के दल्ली राजहरा स्थित माइंस वेस्टिब्यूल ट्रेनिंग सेंटर में 28 मई को एक्सकेवेशन कार्यों से संबंधित सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक विशेष सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग द्वारा उत्खनन, सिविल कार्य एवं जलापूर्ति विभाग से जुड़े सुपरवाइजर्स, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में 22 प्रतिभागियों ने सहभागिता की तथा सुरक्षा जागरूकता सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) श्री देबदत्त सतपथी के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को एक्सकेवेशन प्लानिंग, एक्सकेवेशन परमिट प्रणाली, निरीक्षण चेकलिस्ट तथा सुरक्षा दिशा-निर्देशों से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। महाप्रबंधक (सीईडी) बी.एन. झा एवं सहायक महाप्रबंधक (सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग) अनुराग पाठक ने उत्खनन कार्यों के दौरान आवश्यक सुरक्षा उपायों, परिचालन सावधानियों एवं दुर्घटना रोकथाम संबंधी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम का संचालन महाप्रबंधक (सुरक्षा, प्रशिक्षण एवं पर्यावरण तथा माइंस) वीरेंद्र कुमार द्वारा किया गया। उन्होंने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी प्रतिभागियों से कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री आवास योजना : लॉटरी से पूरा हुआ 10 हितग्राहियों का अपना पक्का घर का सपना

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निर्मित आवासों का आवंटन पारदर्शी लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से लगातार किया जा रहा है। नगर निगम क्षेत्र के सरस्वती नगर, मां कर्मा बोरसी एवं गोकुल नगर में एएचपी घटक के तहत निर्मित आकर्षक एवं किफायती आवास शहरवासियों के लिए बेहतर आवासीय विकल्प बनकर उभर रहे हैं, जिसके चलते हितग्राहियों द्वारा लगातार आवेदन किए जा रहे हैं।

निगम प्रशासन द्वारा प्रत्येक माह प्राप्त आवेदनों के आधार पर लॉटरी के माध्यम से निष्पक्ष

तरीके से आवासों का आवंटन किया जा रहा है। इसी क्रम में गोकुल नगर में 1, सरस्वती नगर में 5 एवं मां कर्मा बोरसी में 4 आवासों हेतु कुल 10 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका लॉटरी के माध्यम से आवंटन किया गया।

महापौर अलका बाघमार ने एमआईसी सदस्य देव नारायण चंद्राकर, शशि साहू, रंजीता पाटिल एवं सहायक अभियंता संजय ठाकुर की उपस्थिति में लॉटरी प्रक्रिया सम्पन्न कर हितग्राहियों को आवास आवंटित किए।

महापौर के हाथों हितग्राहियों को आवंटन पत्र भी प्रदान किए गए। लॉटरी प्रक्रिया में प्रत्येक हितग्राही ने स्वयं पर्ची निकालकर अपने आवास का चयन किया, जिससे पूरी प्रक्रिया की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई। निगम प्रशासन ने जानकारी दी कि सम्पूर्ण राशि जमा करने के पश्चात हितग्राहियों को आधिपत्य पत्र प्रदान किया जाएगा।

इस अवसर पर महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवंटित मकानों में केवल पात्र हितग्राही ही निवास करेंगे। यदि कोई हितग्राही आवास को किराये पर देता पाया गया, तो नगर निगम द्वारा सख्त कार्रवाई करते हुए आवंटन निरस्त कर दिया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान दीपक संचेती सीएलटीसी, रामदास साहू सहायक ग्रेड-03 सहित निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भिलाई महिला समाज ने 'तेजस्विनी' महिला स्नैक्स कुटीर उद्योग इकाई का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। भिलाई महिला समाज द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सेक्टर-6 स्थित हैंडग्लव्स यूनिट सेंटर में 'तेजस्विनी' महिला स्नैक्स कुटीर उद्योग इकाई का शुभारंभ किया गया। यह पहल भिलाई महिला समाज की कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती छवि निगम के नेतृत्व में प्रारंभ की गई।

इस इकाई के माध्यम से महिलाओं को विभिन्न पारंपरिक खाद्य एवं स्नैक्स उत्पादों के निर्माण का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत मीठी मठरी, सलोनी, चूड़ा, नमकीन सेव, चकली सहित अन्य घरेलू स्नैक्स तैयार करने की

विधियों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण सत्र का संचालन उषा साहू द्वारा किया गया।

इस अवसर पर भिलाई महिला समाज की कार्यकारी अध्यक्ष छवि निगम के साथ उपाध्यक्ष केका सरकार, पूनम कुमार एवं स्मिता भास्कर उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में महासचिव सोनाली रथ, सह सचिव चैती पॉल, सहकोषाध्यक्ष रीता तिवारी, वर्किंग कमेटी के सदस्यगण, प्रबंधक, सुपरवाइजर एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

भिलाई महिला समाज क्षेत्र की सबसे पुरानी एवं प्रतिष्ठित महिला संस्थाओं में से एक है, जिसकी स्थापना 4 अगस्त 1959 को की गई थी। स्थापना काल से ही संस्था जरूरतमंद महिलाओं एवं बच्चों के कल्याण तथा विकास हेतु विभिन्न सामाजिक एवं रचनात्मक गतिविधियों का संचालन करती है।

मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियां पूरी, अंचल में दिख रहा जबरदस्त उत्साह, मिलेगी ढाई सौ करोड़ से अधिक की सौगातें

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत जेआरडी स्कूल मैदान में आगामी 31 मई 2026 को प्रस्तावित मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के आगमन एवं विकास कार्यों के लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने महापौर श्रीमती अलका बाघमार एवं कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया।

इस दौरान निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल, एडीएम हरिवंश मिरी, सभापति श्याम शर्मा, शेखर चन्द्राकर, नीलेश अग्रवाल, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, शशि साहू, रंजीता पाटिल, सवित्री दमाहे, लोकेश्वरी ठाकुर, मनोज सोनी, अरुण सिंह, मनमोहन शर्मा सहित निगम, लोक

निर्माण विभाग, जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान महापौर श्रीमती अलका बाघमार एवं कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, पार्किंग, पेयजल, विद्युत, मंच निर्माण एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में शहर के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया जाएगा। भूमिपूजन हेतु प्रस्तावित प्रमुख कार्यों में 77 एम.एल.डी. एस.टी.पी. निर्माण कार्य, मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी अंतर्गत कम्पोस्ट प्लांट निर्माण एवं मशीनरी स्थापना कार्य, इंदिरा मार्केट मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण, नालंदा परिसर निर्माण, शहर के विभिन्न वार्डों में सी.सी. एवं आर.सी.सी. नाली, पुलिया, सीसी सड़क एवं डामरीकरण कार्य शामिल हैं। इसके अलावा विभिन्न प्रमुख सड़कों के चौड़ीकरण एवं उन्नयन, केनाल रोड निर्माण, सिकोला नाला निर्माण, जलागार निर्माण एवं पाइपलाइन विस्तारीकरण कार्य प्रस्तावित हैं।

लोकार्पण हेतु राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत मॉडल स्ट्रीट फूड हब, विभिन्न वार्डों में पेवर ब्लॉक एवं डामरीकरण कार्य, मेनोनाईट चौक से चौपाटी तक मार्ग चौड़ीकरण एवं उन्नयन तथा गंजपारा चौक से शिवनाथ नदी तक मार्ग उन्नयन कार्य शामिल हैं। कुल 25 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं 166 विकास कार्यों का भूमिपूजन प्रस्तावित है।

एसआर हॉस्पिटल में सीएम कौशल विकास योजना के विद्यार्थियों को दिए सर्टिफिकेट

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। एसआर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेन्टर चिखली दुर्ग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना पाठ्यक्रम के वर्ष 2025-26 बैच के जनरल ड्यूटी असिस्टेंट कोर्स के उत्तीर्ण विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ केके जैन एवं विशेष अतिथि न्यू प्रेस क्लब ऑफ भिलाई के अध्यक्ष अनिल गुप्ता उपस्थित रहे। वरिष्ठ पत्रकार रमेश गुप्ता वरिष्ठ पत्रकार डॉ कमल किशोर शर्मा एवं समाजसेवी विष्णु पाठक ने भी कार्यक्रम में शिरकत की।

इस गरिमामय आयोजन में संस्था के चेयरमेन संजय तिवारी ने विद्यार्थीओ को बधाई दी। उन्होंने बताया कि एसआर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेन्टर में संचालित डी फार्मेसी एवं पैरामेडिकल टेक्नीशियन कोर्स व शासन द्वारा मान्यता प्राप्त मुख्यमन्त्री कौशल विकास योजना के पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है। सैकड़ों विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात रोजगार भी प्रदान किया गया है।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

पहाड़ों के बीच पहुंची विकास की धारा, ढाब में हर घर तक पहुंचा स्वच्छ पानी

रायपुर। दुर्गम पहाड़ियों, कच्चे रास्तों और सीमित संसाधनों के बीच बसे ग्राम पंचायत खोहरा के आश्रित ग्राम ढाब में आज विकास की नई धारा बह रही है। कभी पानी की एक-एक बूंद के लिए जूझने वाला यह गांव अब जल जीवन मिशन के माध्यम से आत्मनिर्भर और जागरूक ग्राम के रूप में पहचान बना रहा है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा संचालित इस महत्वाकांक्षी योजना ने ढाब के ग्रामीणों के जीवन में ऐसा बदलाव लाया है, जिसने गांव की तस्वीर और तकदीर दोनों बदल दी हैं। पहले इस गांव के लोगों की दिनचर्या पानी की तलाश से शुरू होती थी। महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे कई किलोमीटर दूर नदी, कुएं और हैंडपंपों तक पहुंचकर पानी लाने को मजबूर थे। पहाड़ी रास्तों से भारी बर्तन उठाकर पानी लाना ग्रामीणों के लिए रोज की कठिन परीक्षा थी। गर्मी के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती थी, जब पानी के सीमित स्रोत सूखने लगते थे और लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ता था। लेकिन अब हालात पूरी तरह बदल चुके हैं।

ग्रीष्म ऋतु में सुरक्षित फल उपलब्ध कराने खाद्य विभाग का विशेष अभियान

रायपुर। नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन दीपक कुमार अग्रवाल (आई.ए.एस) एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर ग्रीष्म ऋतु में लोगों को सुरक्षित व गुणवत्तापूर्ण फल उपलब्ध कराने के लिए रायपुर में 27 मई से 29 मई 2026 तक तीन दिवसीय विशेष जांच अभियान चलाया गया।अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा शहर की 52 फल विक्रेता फर्मों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान फल विक्रेताओं को सुरक्षित व स्वच्छ दशाओं में फलों का रख-रखाव, भण्डारण एवं विक्रय करने के कड़े र्निश दिए गए।जांच में सड़ी-गली अवस्था में भण्डारित लगभग 105 किलो आम, 10 किलो अंगूर एवं 7 दर्जन लोकर लगे केले पाए गए। जिन्हें मौके पर ही तत्काल नष्ट कराया गया। अधिकारियों ने सभी विक्रेताओं को स्टीकर लगाकर फलों को पकाने, केमिकल एवं सिंथेटिक कलर युक्त फलों का विक्रय नहीं करने की सख्त हिदायत दी।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की हुई समीक्षा

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की समीक्षा हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत कुमार बिश्वरंजन की अध्यक्षता में ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएसपीडीसीएल के अधिकारी एवं विभिन्न बैंकों के नोडल अधिकारियों ने सहभागिता की।बैठक में योजना अंतर्गत प्राप्त आवेदनों, स्वीकृत प्रकरणों एवं लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने योजना की प्रगति में तेजी लाने के निर्देश देते हुए बैंकों को स्वयं सोर्स किए गए आवेदनों की संख्या बढ़ाने तथा अधिक से अधिक हितग्राहियों को योजना से लाभान्वित करने के निर्देश दिए।उन्होंने लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण एवं स्वीकृति प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए तथा सभी बैंकों को समय-सीमा में कार्यवाही सुनिश्चित करने कहा। बैठक में अनुपस्थित रहे अधिकारियों से स्पष्टीकरण लेने के निर्देश दिए गए।

गांव-गांव पहुंच रही सुशासन की योजनाएं - विजय शर्मा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के कवर्धा विकासखंड के ग्राम जेवड़नखुर्द तथा बोड़ला विकासखंड के ग्राम मिनमीनिया में आयोजित सुशासन तिहार में ग्रामीणों के बीच पहुंचे एवं आमजनों से सीधे संवाद किया। उन्होंने ग्रामीणों के बीच सादगी और आत्मीयता के साथ बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं तथा कई मामलों में मौके पर ही अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने शिविर में दिव्यांगजनों की मांग पर त्वरित रूप से ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को नए आवास की चाबी भी सौंपी तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत अनेक हितग्राहियों को लाभान्वित किया।

इस दौरान उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित सुशासन तिहार में शासन की योजनाएं अब गांव-गांव तक पहुंच रही है। उन्होंने क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि बरपेलाटोला से सिंघनपुरी तक 2.5 करोड़ रुपए की लागत से सड़क निर्माण, मुख्य सड़क पोड़ी से उसलापुर नहर होते हुए बोधईकुंडा तक 4.5 करोड़ रुपए की सड़क, चरडोंगरी - कोठार मार्ग से सारंगपुरखुर्द नहर पार तक 2.6 करोड़ रुपए की लागत से सड़क निर्माण तथा सूरजपुर से मोहगांव तक 3.58 करोड़ रुपए की लागत से सड़क निर्माण कार्य किया जाएगा।

दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल, हितग्राहियों को आवास की चाबी सहित अनेक योजनाओं से लाभान्वित किया

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि पूर्व में प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए लंबे समय तक आंदोलन चलाया गया था और सरकार बनने के बाद पहली कैबिनेट बैठक के पहले ही प्रस्ताव में प्रधानमंत्री आवास योजना को शामिल किया गया और पहली कैबिनेट में ही 18 लाख आवास स्वीकृत किए गए। उन्होंने बताया कि ग्राम मिनमीनिया में 21 गांवों और ग्राम जेवड़नखुर्द में 15 गांवों के लिए शिविर आयोजित किया गया है और सभी गांवों में आवास की भी स्वीकृति की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि नए हितग्राहियों को भी जोड़ने के लिए नया सर्वे भी कराया गया है, ताकि कोई भी पात्र परिवार योजना के लाभ से वंचित न रहे। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने ग्रामीणों को जानकारी देते हुए बताया कि सुशासन तिहार शिविर में बी-1, खसरा और ऋण पुस्तिका जैसी आवश्यक दस्तावेज नि:शुल्क उपलब्ध कराए जा रहे है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जिले के अनेक गांवों में अटल डिजिटल सेवा केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, जहां महिलाएं, बुजुर्ग और ग्रामीण अपने गांव में ही विभिन्न योजनाओं की राशि निकाल पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत अब तक 27 किस्तों में 27 हजार रुपए महिलाओं के खातों में पहुंचाए जा चुके हैं, जिनकी राशि अब ग्रामीण अपने गांव में ही निकाल रहे हैं। उन्होंने बताया कि गांवों के स्कूलों में स्मार्ट क्लास की शुरुआत की गई है, जहां डिजिटल माध्यम और 3डी एनिमेशन से बच्चों को पढ़ाई कराई जा रही है। दिव्यांगजनों को गतिशील बनाने के लिए स्कूटी प्रदान की जा रही है। महिलाओं की बैठकों के लिए महतारी सदन और युवाओं में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए मिनी स्टेडियम का निर्माण कराया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने सुशासन तिहार शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से हितग्राहियों को मिल रहे लाभ के संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की तथा निर्देशित किया कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप कोई भी पात्र हितग्राही योजना के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए।

सुशासन तिहार शिविर के दौरान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा अन्नप्राशन एवं गोदभराई कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने शिशुओं को अन्नप्राशन कराकर उन्हें शुभाशीष प्रदान किया तथा गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की रस्म संपन्न कराई।

सिंचाई परियोजना से किसानों को मिलेगा लाभ

उप मुख्यमंत्री ने किसानों के हित में किए जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि 8.10 करोड़ रुपए की लागत से छीरपानी जलाशय से जुड़ी राम्हेपुर वितरक नहर एवं संबद्ध माइनर नहरों के सीसी लाइनिंग कार्य का भूमिपूजन कर निर्माण शुरू कर दिया गया है। इस परियोजना के पूरा होने पर 1540 एकड़ क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी और मानिकपुर, सिल्हाटी, बघर्रा, सारंगपुर कला, सिंधनुपरी एवं राम्हेपुर कला सहित 6 गांवों के किसान सीधे लाभान्वित होंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा छिरपानी नहर विस्तार के लिए 50 करोड़ रुपए की घोषणा भी की गई है। इसके साथ ही भोरमदेव फीडर, दियाबार जलाशय, नेवारी और कोठार जलाशय में करोड़ों रुपए की लागत से नहर विस्तार और उन्नयन कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखना एजेंसी, अधिकारियों और हम सभी की जिम्मेदारी है। ग्रामीणों से उन्होंने स्वयं निगरानी रखने और किसी भी गड़बड़ी की जानकारी तत्काल देने की अपील की।

सुशासन तिहार 2026 के मधुर बेला में व्हीलचेयर पाकर खिले मासूमों के चेहरे

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी सोच और संवेदनशील प्रशासनिक पहल के तहत आयोजित सुशासन तिहार 2026 ग्रामीणों के लिए राहत और भरोसे का माध्यम बनता जा रहा है। जनसमस्या निवारण शिविरों में लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है, जिससे आम नागरिकों के चेहरे पर संतोष और खुशी दिखाई दे रही है।

इसी कड़ी में जिला दंतेवाडा के ग्राम हितामेटा में आयोजित सुशासन तिहार शिविर में ग्राम कोरकोटी के दो दिव्यांग बच्चों के परिवारजनों द्वारा सहायता हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया था। आवेदन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रशासन द्वारा अस्थि बाधित दिव्यांग बच्ची जुलगो मुचाकी, पिता बुटलू मुचाकी तथा अस्थि बाधित दिव्यांग बालक नारसू पोयाम, पिता आयतू राम पोयाम को एक-एक नग व्हीलचेयर प्रदान की गई।

व्हीलचेयर मिलने से दोनों बच्चों और उनके परिवारों को बड़ी राहत मिली है। अब बच्चों को दैनिक गतिविधियों, स्कूल आने-जाने तथा अन्य

आवश्यक कार्यों में सुविधा मिल सकेगी। परिवारजनों ने बताया कि आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे लंबे समय से व्हीलचेयर की व्यवस्था नहीं कर पा रहे थे, लेकिन सुशासन तिहार के माध्यम से उनकी समस्या का शीघ्र समाधान हो गया। इस पहल ने न केवल दिव्यांग बच्चों के जीवन को आसान बनाया है, बल्कि शासन की संवेदनशीलता और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित किया है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन के इस मानवीय प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि सुशासन तिहार वास्तव में जनता की समस्याओं के समाधान का प्रभावी मंच बन रहा है।

उच्च शिक्षा में बड़े बदलाव की तैयारी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने, प्रशासनिक व्यवस्था को पारदर्शी बनाने और छात्रों को बेहतर शैक्षणिक माहौल देने के लिए प्रदेश स्तर पर एक बड़ी कवायद शुरू हो गई है। इसी कड़ी में आज जांजगीर-चांपा जिले के अग्रणी शासकीय टी.सी.एल. स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एक महत्वपूर्ण संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। उच्च शिक्षा विभाग की आयुक्त (कमिशनर) श्रीमती रीता यादव की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में प्राचार्यों की व्यक्तिगत उपस्थिति अनिवार्य की गई थी।

विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए पहले ही साफकर दिया था कि बैठक में किसी भी प्रतिनिधि को शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी, कमान प्राचार्यों को खुद संभालनी होगी। बैठक में शामिल

हुए 63 कॉलेजों के प्रमुख इस व्यापक रणनीतिक बैठक में बिलासपुर संभाग, जांजगीर-चांपा और सक्ती जिले के शासकीय व अशासकीय महाविद्यालयों के प्रमुखों ने हिस्सा लिया।

बैठक में शामिल संस्थानों में स्वशासी कॉलेज बिलासपुर संभाग के 2 शासकीय और 2 अशासकीय स्वशासी महाविद्यालय। जांजगीर-चांपा जिला के 11 शासकीय और 27 अशासकीय महाविद्यालय। सक्ती जिला के 8 शासकीय और 13 अशासकीय महाविद्यालय। इनके अतिरिक्त, क्षेत्रीय कार्यालय बिलासपुर संभाग के आला अधिकारी भी इस उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक का हिस्सा बने।

आयुक्त रीता यादव ने आगामी शैक्षणिक सत्र को लेकर महाविद्यालयों की शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों की गहन समीक्षा की। बैठक में मुख्य रूप से 5 एजेंडों पर जोर दिया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन के तहत प्रदेश के सभी कॉलेजों में नई शिक्षा नीति को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने और इसके अनुरूप पाठ्यक्रम व संसाधनों को ढालने के निर्देश दिए गए। प्राध्यापकों के रिसर्च (शोध कार्यों) को बढ़ावा देने और ई-एजुकेशन के विकास की प्रगति की समीक्षा की गई ताकि छात्र आधुनिक तकनीक से सीधे जुड़ सकें। बैठक में अतिथि व्याख्याताओं के कार्यदायित्वों की समीक्षा की गई और विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों के बीच आपसी तालमेल को और सुदृढ़ करने पर बल दिया गया।

सुगम प्रवेश और नियमित उपस्थिति

सत्र 2026-27 के लिए कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया को सरल व पारदर्शी बनाने और विद्यार्थियों की दैनिक उपस्थिति बढ़ाने हेतु कड़े कदम उठाने को कहा गया। डिजिटल गवर्नेंस और ई-ऑफिस प्रशासनिक कामकाज में पारदर्शिता लाने के लिए ई-ऑफिस व्यवस्था को अनिवार्य रूप से संचालित करने और जेम पोर्टल के माध्यम से होने वाली खरीदी की समस्याओं को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए गए।

नरेगा से बदल रही गांवों की तस्वीर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) मुंगेली जिले में केवल रोजगार उपलब्ध कराने वाली योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बन चुकी है। जिले में मनरेगा के तहत बड़े पैमाने पर विकास कार्य संचालित किए जा रहे हैं, जिनसे ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होने के साथ हजारों परिवारों की आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो रही है। मनरेगा के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले में ग्रामीण विकास को नई दिशा मिली है और गांवों में आत्मनिर्भरता की मजबूत नींव तैयार हो रही है।

जिले की 367 ग्राम पंचायतों में से 363 ग्राम पंचायतों में

वर्तमान में 3,154 निर्माण कार्य प्रगति पर हैं। इन कार्यों के माध्यम से 58 हजार 10 श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। गांवों में जल संरक्षण, आजीविका संवर्धन, अधोसंरचना निर्माण तथा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण से जुड़े कार्यों के चलते ग्रामीणों को अपने गांव में ही काम मिल रहा है, जिससे पलायन में उल्लेखनीय कमी आई है। महात्मा गांधी नरेगा के अंतर्गत वर्ष 2026-27 में अब तक जिले में लगभग 07 लाख मानव दिवस रोजगार सृजित किया जा चुका है। योजना के तहत कार्यरत मजदूरों के खातों में लगभग 38 करोड़ रुपये की मजदूरी राशि का सीधे भुगतान किया गया है। मजदूरी का समय पर भुगतान होने से ग्रामीणों में योजना के प्रति भरोसा बढ़ा है। मनरेगा के तहत जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन के अनेक कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। नवा तालाब निर्माण, खेत तालाब, डबरी निर्माण, मेड़बंदी, पौधरोपण और अन्य जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में भू-जल स्तर सुधारने में मदद मिल रही है। इन कार्यों का सकारात्मक प्रभाव खेती और ग्रामीण जीवन पर साफ दिखाई देने लगा है। गर्मी के मौसम में भी गांवों में रोजगार उपलब्ध होने से मजदूरों को शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ रहा है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ गांवों में विकास की नई तस्वीर उभर रही है। कलेक्टरकुन्दन कुमार ने कहा कि मनरेगा अब केवल रोजगार उपलब्ध कराने वाली योजना नहीं रह गई है, बल्कि यह ग्रामीण विकास का सशक्त माध्यम बन चुकी है। जिले की अधिकांश ग्राम पंचायतों में निरंतर कार्य संचालित किए जा रहे हैं। अधोसंरचना निर्माण के कार्यों से गांव आत्मनिर्भर बन रहे हैं तथा लोगों को गांव में ही रोजगार उपलब्ध हो रहा है।

400 ग्रामीणों को मिला वनाधिकार पत्र मिलने से खिला चेहरा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बीजापुर जिले के उसूर विकासखंड के ग्राम पंचायत धर्माराम में आयोजित सुशासन तिहार अंतर्गत समाधान शिविर ग्रामीणों के लिए राहत और विश्वास का बड़ा केंद्र बनकर सामने आया। शिविर में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत सैकड़ों हितग्राहियों को लाभ प्रदान किया गया। इस दौरान 400 ग्रामीणों को वनाधिकार पत्र वितरित किए गए। वनाधिकार पत्र मिलते ही हितग्राहियों के चेहरे पर खुशी और आत्मविश्वास साफ झलक रहा था।

शिविर में जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा, जनपद पंचायत अध्यक्ष पूर्णिमा तेलम, जनपद सदस्य, सरपंचगण, एसडीएम भूपेंद्र गावरे, जनपद पंचायत सीईओ प्रभाकर चंद्राकर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। आसपास की 10 ग्राम पंचायतों से बड़ी

संख्या में ग्रामीण शिविर में पहुंचे और अपनी समस्याएं एवं मांगें अधिकारियों के सामने रखीं।

जनसमस्या निवारण शिविर में 19 विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे। यहां ग्रामीणों को शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई और आवेदन प्रक्रिया समझाई गई। अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए समयबद्ध निराकरण का भरोसा दिलाया।

शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 3 हितग्राहियों को आवास की चाबी सौंपी गई। कृषि विभाग ने 8 किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) और 7 किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड प्रदान किए। समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांग हितग्राहियों में 2 को श्रवण यंत्र, 4 वॉकिंग स्टिक और 1 बैसाखी वितरित की गई। वहीं एसबीआई आरसेटी द्वारा 10 युवाओं को राजमिस्त्री प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। शिविर का सबसे महत्वपूर्ण क्षण 400 ग्रामीणों को वनाधिकार पत्र वितरण रहा। इससे ग्रामीणों में अपने अधिकारों के प्रति भरोसा और सुरक्षा की भावना मजबूत हुई। हितग्राहियों ने कहा कि वर्षों से प्रतीक्षित अधिकार मिलने से उनके जीवन में स्थायित्व और आत्मविश्वास बढ़ा है।

दानवीर भामाशाह वार्ड में करोड़ों के जनहितकारी कार्यों का भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के समग्र और सतत विकास के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए दानवीर भामाशाह वार्ड में विभिन्न जनोपयोगी विकास कार्यों का विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमिपूजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र के विकास को नई दिशा देने वाले अनेक महत्वपूर्ण कार्यों की शुरुआत की गई, जिनसे स्थानीय नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा क्षेत्र की अधोसंरचना और अधिक सुदृढ़ होगी।

रायपुर पश्चिम में विकास को मिली नई गति

इन विकास कार्यों का उद्देश्य वार्ड एवं आसपास के क्षेत्रों में सड़क, नाली, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य नागरिक सुविधाओं को मजबूत करना है, ताकि आमजन को दैनिक जीवन में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। साथ ही आवागमन को अधिक सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने की दिशा में भी यह पहल महत्वपूर्ण साबित होगी। क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही आवश्यकताओं और मांगों को ध्यान में रखते हुए इन कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृत कराया गया है।

इस अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा गया कि रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड का संतुलित और समावेशी विकास ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। विकास केवल निर्माण कार्यों तक सीमित न रहकर आम नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का माध्यम बने, इसी सोच के साथ निरंतर कार्य किया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और क्षेत्र का कोई भी हिस्सा बुनियादी सुविधाओं से वंचित न रहे।

भूमिपूजन कार्यक्रम में नगर निगम रायपुर की सभापति श्रीमती मीनल चौबे जी, नगर निगम रायपुर के सभापति श्री सूर्यकांत राठौर जी, क्षेत्र के सक्रिय एवं जनसेवा के प्रति समर्पित वार्ड पार्षद, सम्मानित जोन अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता, युवा साथी तथा माताएं-बहनें उपस्थित रहीं। सभी ने क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों का स्वागत करते हुए इसे जनहित में महत्वपूर्ण कदम बताया।

स्थानीय नागरिकों ने विश्वास व्यक्त किया कि इन विकास कार्यों के पूर्ण होने के बाद क्षेत्र की आधारभूत सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिलेगा तथा लोगों को बेहतर और सुविधाजनक वातावरण प्राप्त होगा। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने क्षेत्र के विकास को लेकर अपने सुझाव भी साझा किए।

रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र को सुंदर, स्वच्छ, सुव्यवस्थित और सर्वसुविधायुक्त बनाने का अभियान लगातार जारी है। जनता की अपेक्षाओं, आवश्यकताओं और जन-आकांक्षाओं के अनुरूप विकास कार्यों को गति देते हुए क्षेत्र को प्रगति और समृद्धि के नए आयामों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। आने वाले समय में भी जनहित और विकास को केंद्र में रखकर अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं को धरातल पर उतारा जाएगा, जिससे रायपुर पश्चिम प्रदेश के आदर्श विधानसभा क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर सके।

एक्टर होना हर बार नई दुनिया में कदम रखने जैसा है

सोनाक्षी सिन्हा ने बताई अभिनय की खूबसूरती

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की हाल ही में रिलीज हुई ओटीटी द्वित्तल्म सिस्टम को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इसी बीच, फिल्म के प्रमोशन के दौरान उन्होंने अभिनय और अपने किरदार को लेकर कई दिलचस्प बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि एक अभिनेता का काम बाहर से देखने में जितना आसान लगता है, असल में उतना ही मुश्किल होता है।

सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, जब कोई एक्टर किसी नए किरदार को निभाता है, तो वह उसकी पूरी दुनिया में कदम रखता है। हर फिल्म और हर रोल एक अलग जिंदगी की तरह होता है, जिसमें नियम, रिश्ते और परिस्थितियां बिल्कुल नई होती हैं। मुझे अभिनय हमेशा रोमांचक लगता है, क्योंकि हर बार कुछ नया सीखने और महसूस करने का मौका मिलता है। सोनाक्षी ने कहा कि किसी भी प्रोफेशन को बाहर से देखकर पूरी तरह समझना मुश्किल होता है। जैसे वकील या डॉक्टर की दुनिया को समझना आसान नहीं होता, वैसे ही फिल्म इंडस्ट्री के अंदर क्या होता है, यह सिर्फ वही लोग जानते हैं जो खुद उस प्रक्रिया का हिस्सा रहे हों। लोग अक्सर सोचते हैं कि फिल्में सिर्फ ग्लैमर और कैमरे तक सीमित होती हैं, लेकिन असल में एक फिल्म के पीछे बहुत सारे लोग, मेहनत और तैयारी होती है, जो मिलकर एक कहानी को आकार देती है।

फिल्म सिस्टम में सोनाक्षी सिन्हा एक वकील का किरदार निभा रही हैं, जिसका नाम नेहा राजवंश है। उसके पिता रवि राजवंश उन्हें खुद को साबित करने की चुनौती देते हैं और सामने एक शर्त रखते हैं, जिसमें 10 केस जीतने की बात कही जाती है। इस शर्त को पूरा करने के लिए वह हाई-प्रोफाइल केस लड़ती हैं। इस दौरान उसकी मुलाकात अभिनेत्री ज्योतिका के किरदार सारिका रावत से होती है। वह एक स्टेनोग्राफर हैं।

फिल्म सिस्टम को पम्मी बावेजा, हरमन बावेजा और स्मिता बालिगा ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। अश्विनी अय्यर तिवारी ने हरमन बावेजा, अरुण सुकुमार और तस्नीम लोखंडवाला के साथ मिलकर इसकी कहानी लिखी है।

सिस्टम 22 मई से अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।

अमर अकबर एंथोनी की रिलीज के 49 साल पूरे

नीतू कपूर ने मनमोहन देसाई का जताया आभार

कुछ फिल्में सिर्फ मनोरंजन नहीं करतीं बल्कि इतिहास के पन्नों में दर्ज हो जाती हैं। एक ऐसी ही सदाबहार ब्लॉकबास्टर फिल्म अमर अकबर एंथोनी 1977 में रिलीज हुई थी, जिसने बुधवार को अपने 27 साल पूरे कर लिए हैं। इस फिल्म के निर्देशक मनमोहन देसाई थे। अभिनेत्री नीतू कपूर ने फिल्म की रिलीज के 49 साल पूरे होने की इंस्टाग्राम पर खुशी जाहिर की। उन्होंने स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म का पोस्ट शेयर कर निर्देशक का आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, अमर अकबर एंथोनी 27 मई 1977 को रिलीज हुई थी, जिसके लिए निर्देशक मनमोहन देसाई का दिल से शुक्रिया। ब्लॉकबस्टर हिंदी एक्शन-कॉमेडी फिल्म अमर अकबर एंथोनी आज भी उतनी ही पसंद की जाती है, जितनी रिलीज के समय की जाती थी। तीन भाइयों की यह अनोखी कहानी भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे बड़ी कल्ट क्लासिक और ब्लॉकबस्टर मसाला फिल्मों में से एक है।

फिल्म में नीतू कपूर (नीतू सिंह) ने डॉ. सलमा अली का किरदार निभाया था। वह फिल्म में एक दयालु और समझदार मुस्लिम डॉक्टर की भूमिका में हैं और अभिनेता ऋषि कपूर के साथ उनकी प्रेम कहानी दिखाई गई है।

इस फिल्म में तर्क पर भावना और ड्रामा को प्राथमिकता दी गई। फिल्म में एक्शन, कॉमेडी, रोमांस और शानदार गानों का ऐसा मिश्रण पेश किया गया जिसने बॉक्स ऑफिस के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। फिल्म में विनोद खन्ना (अमर), ऋषि कपूर (अकबर) और अमिताभ बच्चन (एंथोनी) ने मुख्य भूमिका निभाई।

यह फिल्म बचपन में बिछड़े तीन भाइयों की कहानी है, जिन्हें तीन अलग-अलग धर्मों के परिवारों ने पाला। अंततः वे एक साथ मिलकर अपने दुश्मन का पर्दाफाश करते हैं। यह फिल्म अपने शानदार संगीत, एक्शन, कॉमेडी और एकता में अनेकता के संदेश के लिए भारतीय सिनेमा के इतिहास में मील का पत्थर मानी जाती है।

अभिनेत्री नीतू कपूर हाल ही में कॉमेडी-ड्रामा फिल्म दादी की शादी में नजर आई थीं, जिसका निर्देशन आशीष आर. मोहन ने किया है। फिल्म में नीतू कपूर, कपिल शर्मा और आर. सरथकुमार मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके साथ ही नीतू कपूर की बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी ने इस फिल्म से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया है

खाने को धीरे-धीरे क्यों खाना चाहिए?

खाना खाने का तरीका सिर्फ स्वाद और खुशबू तक सीमित नहीं है। यह हमारे सेहत और मानसिक संतुलन पर भी बहुत बड़ा असर डालता है। आजकल की तेज जीवनशैली में हम अक्सर जल्दी में खाना खाते हैं, जिससे पाचन तंत्र पर काफी बुरा असर पड़ता है। इस लेख में हम जानेंगे कि सभी को खाने को धीरे-धीरे क्यों खाना चाहिए और इससे हमें क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

पाचन के लिए है फायदेमंद

धीरे-धीरे खाने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे पाचन तंत्र पर अच्छा असर पड़ता है। जब हम धीरे-धीरे खाते हैं, तो हमारे मुंह में लार सही तरीके से बनती है और भोजन का सही पाचन होता है। इससे खाना आसानी से पचता है और पेट में गैस या जलन जैसी समस्याएं कम होती हैं। इसके अलावा यह तरीका खाने के पोषक तत्वों को बेहतर तरीके से शरीर में मिलने में भी मदद करता है।

मानसिक संतुलन बनाए रखने में है मददगार

धीरे-धीरे खाना खाने से हमारा मानसिक संतुलन भी बेहतर होता है। जब हम आराम से बैठकर खाना खाते हैं, तो हमारा दिमाग शांत रहता है और तनाव कम होता है। यह तरीका हमें अपने भोजन पर ध्यान केंद्रित करने और उसके स्वाद को पूरी तरह से महसूस करने का मौका देता है। इससे हमारा मन भी खुश रहता है और हम खाने का पूरा मजा ले पाते हैं।

भूख का सही अंदाजा लगाना है संभव

अक्सर लोग जल्दी में खाना खत्म करने की होड़ में रहते हैं, जिससे वे अपनी असली भूख का अंदाजा नहीं लगा पाते। धीरे-धीरे खाने से हमें यह समझने में मदद मिलती है कि कब हमारा पेट भर गया है। इससे हम ज्यादा खाने से बच सकते हैं और हमारे शरीर का वजन संतुलित रहता है। यह तरीका न केवल सेहत के लिए अच्छा है, बल्कि हमें खाने का पूरा आनंद लेने का भी मौका देता है।

सामाजिक संबंध मजबूत होते हैं

धीरे-धीरे खाना खाने का एक और अहम पहलू यह है कि इससे हमारे सामाजिक संबंध मजबूत होते हैं। जब हम परिवार या दोस्तों के साथ बैठकर आराम से खाना खाते हैं, तो बातचीत करने का समय मिलता है। इससे रिश्ते भी मजबूत होते हैं और आपस में समझ-बूझ बढ़ती है। यह तरीका न केवल हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा है, बल्कि हमें एक-दूसरे के करीब लाने में भी मदद करता है।

सेहतमंद आदतें विकसित होती हैं

धीरे-धीरे खाने की आदत अपनाने से अन्य सेहतमंद आदतें भी विकसित होती हैं, जैसे कि नियमित व्यायाम करना, पर्याप्त पानी पीना, और संतुलित आहार लेना। जब हम अपने खाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो हम अन्य सेहतमंद आदतें भी अपनाने के लिए प्रेरित होते हैं। इस प्रकार, खाने को धीरे-धीरे खाने की आदत न केवल हमारे पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद होती है, बल्कि यह हमारे मानसिक संतुलन और सामाजिक संबंधों को भी मजबूत करती है।

डार्क किरदार पर ईशा सिंह बोलीं, कैमरे के पीछे ऑन और ऑफ होना आना चाहिए

टेलीविजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री ईशा सिंह आगामी फिल्म ऑब्सेस की रिलीज को लेकर तैयार हैं। डार्क और सस्पेंस से भरपूर ट्रेलर रिलीज किया जा चुका है। साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म में डार्क किरदार को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि एक एक्टर को पता होना चाहिए कि कब किरदार में रहना है और कब उससे बाहर निकलना है।

अभिनेत्री ने से बातचीत में बताया, एक एक्टर के तौर पर आपको यह अच्छी तरह पता होना चाहिए कि कैमरे के सामने कब किरदार में आना है (ऑन होना) और शॉट खत्म होने पर कब उससे बाहर निकलना है (ऑफ होना)। हां, यह सच है कि कुछ किरदार निभाते समय आप बहुत गहराई में चले जाते हैं लेकिन किस्मत से हमारी फिल्म के सेट का माहौल बहुत ही सकारात्मक और मददगार था। आसपास के लोग लगातार मेरा ख्याल रख रहे थे, जिसकी वजह से यह किरदार मुझ पर भावनात्मक रूप से भारी नहीं पड़ा।

आज के समय में बढ़ते टॉक्सिक अटैचमेंट और जुनूनी व्यवहार पर बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि सोशल मीडिया आने से पहले भी समाज में इस तरह के जुनूनी लोग मौजूद थे। उन्होंने कहा, फर्क बस इतना है कि अब सब कुछ बहुत जल्दी दिखाई देने लगता है क्योंकि हर किसी के पास फोन है और जानकारी तुरंत फैल जाती है। सोशल मीडिया के पॉजिटिव और नेगेटिव, दोनों पहलू हैं। ऑब्सेस के बारे में मुझे जो बात सबसे ज्यादा पसंद आई, वह यह है कि इसकी कहानी में कई भावनात्मक परतें हैं। जब दर्शक यह फिल्म देखेंगे, तो वे समझ जाएंगे कि इन विषयों को कितनी गहराई से दिखाया गया है।

अपनी बात को रखते हुए अभिनेत्री ने फिल्म के निर्देशक पीटर की बात को याद करते हुए कहा, पीटर सर ने एक बार कहा था, हर इंसान के अंदर एक फरिश्ता और एक शैतान, दोनों होते हैं। इनमें से कौन सा पहलू कितना बाहर आता है, यह पूरी तरह से उस इंसान पर निर्भर करता है।

अभिनेत्री ने किरदार के भावनात्मक बोझ से पूरी तरह मुक्त होने को जरूरी बताते हुए बताया कि काम के दौरान आप मानसिक रूप से उसी दुनिया में रहते हैं। कुछ दिन बहुत भारी होते हैं, तो कुछ अच्छे, लेकिन काम खत्म होते ही उस काल्पनिक दुनिया से बाहर निकलना एक कलाकार के मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है।

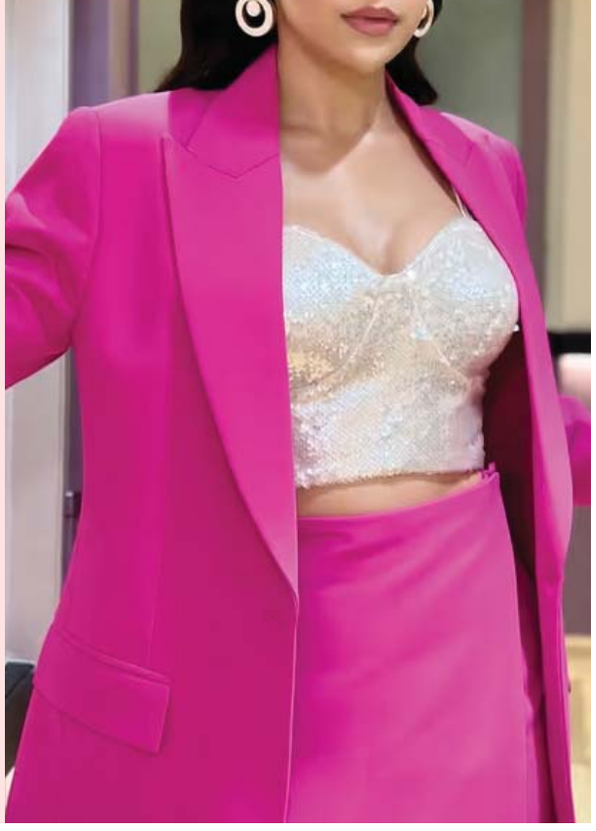

दवाइयां हुईं फेल तो टीवी एक्ट्रेस नारायणी शास्त्री के काम आया योग, रात का अनुभव किया शेयर

टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री नारायणी शास्त्री ने गुरुवार को अपनी सेहत से जुड़ा बड़ा अपडेट दिया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर बताया कि रात को उतनी तबीयत अचानक इतनी खराब हो गई थी, जिससे उन्हें आधी रात में अस्पताल जाना पड़ा। वीडियो में अभिनेत्री बताती हैं कि रात करीब 2 बजे उनके पेट में असहनीय दर्द शुरू हो गया। शुरू में, तो उन्हें लगा कि यह सिर्फ गैस की सामान्य समस्या है, लेकिन दिक्कत ज्यादा बढ़ी, तो उन्हें अस्पताल जाना पड़ा।

वीडियो में नारायणी शास्त्री कहती हैं, पिछली रात मेरे लिए बहुत भयावह थी। रात करीब 2 बजे मेरे एब्डोमेन में बहुत तेज दर्द शुरू हो गया था। पहले तो मुझे लगा कि ये मामूली-सा गैस का दर्द है, लेकिन दर्द किसी एक खास जगह पर नहीं था, बल्कि पूरे पेट के हिस्से में हो रहा था, इसलिए मैंने पुदीना, अजवाइन और जो कुछ भी मेरे पास था, सब आजमाकर देखा, लेकिन दर्द बढ़ता ही जा रहा था। फिर मेरे पति टोनी मुझे तुरंत अस्पताल ले गए।

उन्होंने बताया, दर्द इतना हो रहा था कि मैं लोट-पोट हो रही थी। मुझे चक्कर भी आ रहा था। डॉक्टर ने तुरंत मुझे पेनकिलर दी। मेरे सीटी स्कैन और ब्लड टेस्ट की सभी रिपोर्ट सामान्य आईं, किसी तरह की कोई समस्या नहीं मिली। इसके बाद जब मैं घर लौटी, तो सोचने लगी कि आखिर परेशानी की वजह क्या हो सकती है। मुझे लगा कि शायद मेरी नाभि खिसक गई है। फिर मैंने कुछ योग अभ्यास किए और अब मैं काफी बेहतर महसूस कर रही हूं। योग की जय हो।

नारायणी शास्त्री पिछले दो दशकों से मनोरंजन जगत का हिस्सा रही हैं। उन्होंने क्योंकि सास भी कभी बहू थी, पिया का घर, और रिश्तों का चक्रव्यूह जैसे लोकप्रिय धारावाहिकों में अपने दमदार किरदारों से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है।

मैं खुद को बहुत सीरियसली नहीं लेता सैफ अली खान....

अभिनेता सैफअली खान इन दिनों अपनी अपकमिंग नेटफ्लिक्स की फिल्म 'कर्तव्य' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच प्रमोशन में व्यस्त अभिनेता ने बताया कि मैं खुद को बहुत ज्यादा सीरियसली नहीं लेता। से बातचीत में सैफ अपनी 25 साल पुरानी वायरल लाइन मैं गिटार खेलता हूं पर न केवल प्रतिक्रिया दी बल्कि क्लिप को बेहद मजेदार भी बताया। इंटरव्यू के दौरान जब उनके को-स्टार रसिका दुग्गल और मनीष चौधरी से पूछा गया कि सैफ सेट पर भी वन-लाइनर्स देते हैं या नहीं तो रसिका ने उनकी कॉमिक टाइमिंग की तारीफकरते हुए कहा, हर समय! वह हर समय खूब मस्ती करने वाले एक्टर्स में से हैं।

इस पर सैफ ने कहा, मैं खुद को बहुत ज्यादा सीरियसली नहीं लेता। एक बार जब सीन ठीक से कर लेते हैं, उसके बाद थोड़ी मस्ती भी कर सकते हैं।

बातचीत के दौरान उन्हें दूरदर्शन पर दिए गए लगभग 25 साल पुराने इंटरव्यू की याद दिलाई गई, जिसमें वह कहते सुनाई देते हैं- मैं गिटार खेलता हूं। यह क्लिप आज भी सोशल मीडिया पर बार-बार वायरल होती रहती है।

इस पर सैफ ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, मैंने वह क्लिप देखी है। वह मजेदार है, बहुत ही ज्यादा मजेदार। उस क्लिप में हर तरह की चीजें हैं। उन्होंने आगे कहा कि उस इंटरव्यू में कई ऐसी बातें हैं जो अब गैरकानूनी मानी जाएंगी और शायद उस समय भी गैरकानूनी रही होंगी।

उसी पुराने इंटरव्यू में सैफ ने अपनी पसंदीदा अभिनेत्रियों मधुबाला और जीनत अमान की तुलना भी की थी। इस पर सैफ ने कहा, उनके बीच के अंतर के साथज मुझे नहीं पता कि वह अंतर क्या था। यह बहुत ही अजीब बात है।

'कर्तव्य' फिल्म के प्रमोशन में सैफ ने अपने काम के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि आजकल क्राइम ड्रामा बहुत ज्यादा हैं, लेकिन एक अभिनेता के रूप में वह हर बार किरदार में कुछ नया लाने की कोशिश करते हैं। सैफ ने बताया, मेरे लिए असली बात यह है कि आप उस इंसान का किरदार निभाएं, न कि सिर्फ पुलिसवाले का। हर इंसान अलग होता है।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर वही काम दोबारा करना पड़े तो निर्देशक और निर्माता मिलकर अलग माहौल तैयार करते हैं। सैफ का मानना है कि अगर अभिनेता अपने प्रति सच्चा रहे तो उसकी अपनी झलक किरदार में जरूर आएगी।

खास खबर

पात्र श्रमिक परिवारों के बच्चों को मिलेगा निजी स्कूलों में दाखिला

रायपुर। श्रम विभाग के सचिव सह श्रमायुक्त हिमशिखर गुप्ता ने आज मंत्रालय (महानदी भवन) में श्रम विभाग के काम-काज की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व एवं श्रम मंत्री लखन देवांगन के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार द्वारा श्रमिकों एवं उनके परिजनों की बेहतरी के लिए अनेक योजनायें संचालित की जा रही है। इन सभी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को मिले इस दिशा में विभागीय अधिकारी आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। बैठक में अपर श्रमायुक्त द्वय एस.एल. जांगड़े एवं सविता मिश्रा, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार मण्डल के सचिव गिरीश रामटेके, श्रम विभाग के उप सचिव विपुल गुप्ता सहित विभिन्न जिलों से आए श्रम विभाग के मैदानी अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान सचिव गुप्ता ने कहा कि अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के अंतर्गत पात्र श्रमिक परिवारों के बच्चों को स्कूलों में दाखिला मिले। इस दिशा में विभागीय अधिकारी आवश्यक कार्यवाही करें। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री की पहल पर प्रारंभ होने जा रहे नए शैक्षणिक सत्र से सीटों की संख्या बढ़ाकर 100 से 200 कर दी गई है। इस योजना से निर्माण श्रमिकों के बच्चों को प्रदेश के निजि स्कूलों में दाखिला दिया जाएगा।

'प्रोजेक्ट आंगन' से बच्चों के समग्र विकास को मिल रही नई दिशा

रायपुर। जिला प्रशासन रायपुर की अभिनव पहल 'प्रोजेक्ट आंगन' के अंतर्गत विकासखंड आरंग के सेक्टर छटेरा में बच्चों के समग्र विकास हेतु उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। यह पहल पालकों को आंगनबाड़ी केंद्रों से जोड़ते हुए बच्चों के पोषण, स्वास्थय और प्रारंभिक शिक्षा को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।सेक्टर छटेरा में नियमित रूप से पालक बैठक एवं बालसभा का आयोजन किया जा रहा है। पालक बैठकों के माध्यम से माता-पिता को बच्चों के पोषण, स्वास्थय, टीकाकरण एवं प्रारंभिक शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया जा रहा है। वहीं बालसभा के माध्यम से बच्चों को खेल-खेल में सीखने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। गीत, कविता, कहानी एवं विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के जरिए बच्चों के बौद्धिक, मानसिक और सामाजिक विकास को प्रोत्साहित किया जा रहा है। आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों की उपस्थिति में भी सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है।

आयुष्मान से मिली नई उम्मीद

रायपुर। आयुष्मान भारत योजना समाज के गरीब, जरूरतमंद एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए संजीवनी साबित हो रही है। योजना के माध्यम से अब दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले बुजुर्गों को भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हो रही हैं। नारायणपुर जिले की निवासी जगनी बाई लाभान्वित हुई हैं, जिन्हें बढ़ती उम्र के कारण लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। जगनी बाई ने बताया कि उम्र बढ़ने के साथ उनकी तबीयत लगातार खराब रहने लगी थी। कमजोरी, शरीर में दर्द तथा अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उन्हें अस्पताल जाकर इलाज कराने की आवश्यकता पड़ती थी, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण बेहतर उपचार कराना संभव नहीं हो पा रहा था। कई बार इलाज के खर्च की चिंता के कारण समय पर अस्पताल जाना भी मुश्किल हो जाता था। इसी दौरान उन्हें आयुष्मान भारत योजना की जानकारी मिली। योजना के अंतर्गत उनका आयुष्मान कार्ड बनाया गया।

छत्तीसगढ़ में मैंगों टूरिज्म की है अपार संभावनाएं - रमेन डेका

भारतीय संस्कृति, कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है आम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। आम केवल एक फल नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति, कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। किसानों को पारंपरिक खेती के साथ आधुनिक तकनीकों को अपनाकर आम उत्पादों को बडे रूप में विकसित करने के लिए आगे बढ़ना चाहिए। राज्यपाल रमेन डेका इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर में आयोजित राष्ट्रीय आम महोत्सव के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने की।

राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि भारत विश्व में आम उत्पादन में अग्रणी है और देश में एक हजार से अधिक किस्मों के आम पाए जाते है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के स्थानीय आमों की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश के किसानों को उच्च गुणवत्ता वाली किस्मों के उत्पादन से अपनी अलग पहचान बनानी चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनियां और महोत्सव देश के विभिन्न राज्यों से आए आम उत्पादकों को एक-दूसरे की उन्नत खेती पद्धतियों, नई किस्मों और नवाचारों की जानकारी प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि बस्तर, कोण्डागांव, कांकेर और सरगुजा जैसे क्षेत्रों में आम उत्पादन की बहुत संभावनाएं है। महिला स्व-सहायता समूहों के लिए भी इस क्षेत्र में रोजगार और उद्यमिता के व्यापक अवसर मौजूद है। मैंगों टूरिज्म की भी छत्तीसगढ़ में अपार संभावनाएं है।

राज्यपाल ने कहा कि आम उत्पादन के साथ-साथ इसके वैल्यू एडिशन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इसके लिए कृषि विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम को मिलकर कार्य करना चाहिए। डेका ने कहा कि हमारे जीवन को ईको फैंडली बनाना आज की आवश्यकता है। जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न उपायों को अपनाना होगा। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम पर लगाने और रेन वाटर हार्वेस्टिंग पर विशेष जोर दिया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आम फलों का राजा है। आम की पत्तियों और लकड़ियों का भी हमारे जीवन में अत्यधिक महत्व है। हमारे घरों में मांगलिक कार्य होने पर हम आम की पत्तियों से तोरण बनाते है एवं आम की सूखी लकड़ियों का उपयोग हवन एवं पूजा में करते है।

इस महोत्सव में 250 से अधिक किस्मों के आम प्रदर्शित किए गए है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों को इस महोत्सव का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया।

प्रदर्शनी मे बेर के आकार से लेकर बीजापुर के हाथीझुल जैसे बड़े किस्मों के आम भी उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधामंत्री नरेन्द्र मोदी के मंशानुरूप किसानों की आय दुगुनी करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है और आम की खेती भी इस संकल्प को पूरा करने के लिए सहायक सिद्ध होगी।

आम महोत्सव के उद्घाटन पश्चात राज्यपाल डेका और मुख्यमंत्री साय ने आम उत्पादकों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी में आम के विभिन्न किस्मों का अवलोकन किया । इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेश चंद्रवंशी एवं इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, निदेशक अनुसंधान सेवाएं डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी सहित अन्य विश्वविद्यालयों के कुलपति, अधिष्ठाता, प्राध्यापकगण, किसान एवं बड़ी संख्या में दर्शकगण उपस्थित थे।

भू-जल संरक्षण : आधुनिक तकनीक से 334 स्थानों पर बना रहे इंजेक्शन वेल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन के लिए प्रदेशभर में व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए आधुनिक तकनीकों के माध्यम से भू-जल रिचार्ज अभियान को गति दी जा रही है। राज्य शासन की इस महत्वाकांक्षी पहल से वर्षा जल का अधिकतम संचयन कर भू-जल स्तर को मजबूत किया जाएगा।

बिलासपुर जिले में पहली बार युक्तधारा पोर्टल एवं भूवन एप के संयुक्त उपयोग से फैक्टर जोन चिन्हांकित किए गए हैं, जहां इंजेक्शन वेल का निर्माण कराया जा रहा है। इन इंजेक्शन वेल्स के माध्यम से वर्षा जल को सीधे जमीन के भीतर पहुंचाकर भू-जल रिचार्ज सुनिश्चित किया जाएगा। बिलासपुर के कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने जिले के 12 उद्योगों से सहयोग की अपील करते हुए 334 चिन्हित स्थलों पर इंजेक्शन वेल निर्माण कराने का आग्रह किया गया है। इसके तहत बोर खनन का कार्य कई स्थानों पर

युद्धस्तर पर दिन-रात जारी है। साथ ही मनरेगा से मिनी परकुलेशन टैंक का निर्माण भी कराया जा रहा है, जिससे जल संचयन एवं जल रिचार्ज की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। शासन की यह पहल भविष्य में जल संकट से निपटने के लिए मजबूत आधार तैयार करेगी। जल संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ते हुए इसे प्राथमिकता के साथ क्रियान्वित किया जा रहा है, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

कलेक्टर ने भू-जल रिचार्ज के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में कार्य पूर्ण कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण दायित्व है। जिले में चल रहा यह अभियान पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन और सतत विकास की दिशा में एक सार्थक पहल के रूप में देखा जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार इंजेक्शन वेल भू-जल संवर्धन का प्रभावी माध्यम है। इससे वर्षा जल व्यर्थ बहने के बजाय जमीन के भीतर संग्रहित होता है, जिसका लाभ आने वाले वर्षों में पेयजल, सिंचाई और पर्यावरण संतुलन के रूप में मिलेगा। बिलासपुर जिले में चल रहा यह अभियान जल संरक्षण के प्रति प्रशासन की गंभीरता और दूरदृष्टि को दर्शाता है। यह पहल भविष्य में जल उपलब्धता बढ़ाने के साथ किसानों और आम नागरिकों के लिए बड़ी राहत साबित हो सकती है।

खरीफ 2026 की तैयारी तेजः किसानों को समय पर मिल रहा खाद-बीज

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। खरीफ सीजन 2026 को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा किसानों को समय पर खाद और बीज उपलब्ध कराने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। प्रदेशभर की सहकारी समितियों में खाद-बीज का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया गया है तथा किसानों की मांग के अनुरूप लगातार वितरण किया जा रहा है। शासन-प्रशासन द्वारा खेती के कार्य प्रभावित न हों, इसके लिए आपूर्ति व्यवस्था पर सतत निगरानी रखी जा रही है।

बलरामपुर जिले में भी किसानों को खाद-बीज उपलब्ध कराने की दिशा में प्रशासन गंभीरता से कार्य कर रहा है। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशानुसार सहकारी समितियों में खाद-बीज की सतत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है तथा अधिकारियों को वितरण व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखने कहा गया है। किसान प्रतिदिन समितियों में पहुंचकर अपनी आवश्यकता अनुसार खाद और बीज प्राप्त कर रहे हैं। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार बलरामपुर जिले में अब तक 9254 मीट्रिक टन खाद का भंडारण किया जा चुका है, जिसमें से 1311 मीट्रिक टन खाद किसानों को वितरित किया गया है। वहीं खरीफ 2026 के लिए 2000 क्विंटल बीज वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसके विरुद्ध 1734 क्विंटल बीज का भंडारण कर सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा है। समय पर कृषि सामग्री उपलब्ध कराकर खेती को सुगम बनाना तथा उत्पादन बढ़ाने में सहयोग प्रदान करना है।

सुशासन तिहार अंतर्गत ग्राम माकड़ी में लगा जिला स्तरीय समाधान शिविर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्य शासन की मंशानुरूप आम नागरिकों की समस्याओं एवं मांगों के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से कोण्डागांव जिले में बस्तर मुन्ने एवं सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को के ग्राम पंचायत माकड़ी में जिला स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जनपद पंचायत अध्यक्ष जुगबती पोयाम, उपाध्यक्ष बैशाखु कोर्राम, जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई सहित एसडीएम अजय उरांव और विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जनपद पंचायत अध्यक्ष ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सुशासन तिहार के तहत गांव गांव में मिल रही सुविधाओं और योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लाभ उठाएं। जिला पंचायत सीईओ श्री भोई ने भी सुशासन तिहार अंतर्गत ग्रामीणजनों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 20 पीएम आवास की चाबी और 07 जॉब कार्ड, कृषि

विभाग द्वारा 05 हितग्राहियों को बीज और 07 किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड, खाद्य विभाग द्वारा 16 राशन कार्ड, स्वास्थ्य विभाग द्वारा 29 आयुष्मान कार्ड, क्रेडा विभाग द्वारा 04 सोलर पम्प, वन विभाग द्वारा 06 मेधावी छात्राओं को छात्रवृत्ति, पशु पालन विभाग द्वारा 09 हितग्राहियों को अनुदान राशि और उद्यानिकी विभाग द्वारा 20 पौधे का वितरण, शिक्षा विभाग द्वारा 40 जाति प्रमाण पत्र और 14 मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। श्रम विभाग द्वारा 06 श्रम कार्ड, समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों 05 ट्राइसिकल और 10 छड़ी वितरित की गई। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 01 गर्भवती महिला की गोद भराई एवं 03 बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया गया और बिहान के 26 लखपति दीदियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विभिन्न वार्डो में 01 करोड़ 80 लाख रू. के विकास कार्यो का हुआ भूमिपूजन एवं लोकार्पण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नगर पालिक निगम केारबा के 09 वार्डो में आज 01 करोड़ 80 लाख रूपये के विभिन्न विकास कार्यो का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया, प्रदेश के उद्योग, श्रम, सार्वजनिक उपक्रम व आबकारी मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में इन विकास कार्यो का भूमिपूजन एवं लोकार्पण सम्पन्न हुआ।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड क्र. 07 अंतर्गत गायत्री स्कूल से आलू गोदाम तक 07

लाख 95 हजार रूपये की लागत से पेवर ब्लाक बिछाने का कार्य, वार्ड क्र. 07 सिंधी मोहल्ला से शारदा गुप्ता घर के सामने 05 लाख रूपये की लागत से मंच निर्माण, वार्ड क्र. 06 अंतर्गत प्रायमरी स्कूल सीतामणी में 01 लाख 86 हजार रूपये की लागत से बालिका शौचालय का निर्माण, वार्ड क्र. 08 मोतीसागरपारा सीतामणी पवन टेंट के पास गोकुलगंज तक 20 लाख रूपये की लागत से सड़क डामरीकरण कार्य, वार्ड क्र. 01 अंतर्गत बालक मिडिल स्कूल कोरबा में 08 लाख 07 हजार रूपये की लागत से अतिरिक्त कक्ष का निर्माण, वार्ड क्र. 05 इंदिरा नगर में 15 लाख रूपये की लागत से सतनामी समाज के सामुदायिक भवन का निर्माण, वार्ड क्र. 14 अमरैयापारा स्वास्थ्य केन्द्र में 07 लाख रूपये की लागत से शौचालय एवं अतिरिक्त सुविधा का कार्य, वार्ड क्र.02 मिशन रोड कोरबा कलचुरी भवन के समीप 25 लाख रूपये की लागत से डोम एवं सामुदायिक भवन निर्माण तथा वार्ड क्र.01 कोरबा जोन अंतर्गत पेट्रोल पम्प के पास 19 लाख 56 हजार रूपये की लागत से ओव्हरब्रिज सौदंर्यीकरण का कार्य कराया जाना हैं।

बच्चों के चेहरों पर मुस्कान, कर्मचारियों का जन्मदिन बना यादगार

रायपुर। जिले में शासकीय कर्मचारियों के जन्मदिन अब केवल व्यक्तिगत आयोजन नहीं रह गए हैं, बल्कि समाज सेवा का माध्यम बनते जा रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुसार प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना और न्योता भोज के अंतर्गत संचालित प्रोजेक्ट आओ बाँटें खुशियाँ का उद्देश्य ही है - खुशियों को बाँटना, और इस पहल को शासकीय कर्मचारी पूरे उत्साह के साथ अपना रहे हैं। इसी क्रम में उप पंजीयक देवराज साय ने आंगनबाड़ी केंद्र गोपिया पारा में विद्यार्थियों के साथ जन्मदिवस के अवसर पर बच्चों के साथ केक काटकर, फल और पौष्टिक आहार वितरित कर इस दिन को विशेष बनाया।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

स्वास्थ्य सेवाओं से लेकर कृषि परामर्श तक मिल रहा लाभ

सुशासन तिहार बना जनसमस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप प्रदेशभर में आयोजित सुशासन तिहार आमजनों की समस्याओं के समाधान और शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनता जा रहा है। इसी कड़ी में बलरामपुर जिले के ग्राम पंचायत कोटरकी एवं राजपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत खोडरो में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए गए, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं, मांगों एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। संबंधित विभागों द्वारा आवेदनों के निराकरण की प्रक्रिया प्राथमिकता से की जा रही है।

शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में

जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने शिविर स्थलों का निरीक्षण कर योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। इस दौरान गर्भवती महिलाओं की गोदभराई एवं बच्चों का अन्नप्राशन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया तथा पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभान्वित किया गया।

जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से शासन की योजनाओं का लाभ सीधे लोगों तक पहुंचाया जा रहा है तथा शिविर ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी मंच बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आमजन को समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है और गांव-गांव तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित की जा रही है।

शिविरों में राजस्व प्रकरणों के निराकरण, डिजिटल ऋण पुस्तिका वितरण एवं एग्रीस्टैक पंजीयन के लाभों की जानकारी भी दी गई। किसानों को समितियों में उपलब्ध खाद एवं बीज के पर्याप्त भंडारण की जानकारी देते हुए आवश्यकतानुसार उठाव करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम कर जैविक खेती अपनाने, पर्यावरण संरक्षण तथा अधिक से अधिक पौधारोपण करने का संदेश भी दिया गया।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से ग्रामीणों को नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। शिविर में पहुंचे ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श एवं दवाइयों का वितरण किया गया। चिकित्सकों की टीम द्वारा रक्तचाप, शुगर सहित विभिन्न रोगों की प्राथमिक जांच की गई तथा मौसमी बीमारियों से बचाव संबंधी जानकारी दी गई।

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

पान-गुटखा ठेले की आड़ में गांजे का कारोबार, महिला तस्कर रंगे हाथ गिरफ्तार

बलौदाबाजार। गांव के एक साधारण पान-गुटखा ठेले के पीछे चल रहा नशे का खेल बेनकाब हुआ। आरोप है कि महिला बेहद शातिर तरीके से गांजे की छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर ग्राहकों को बेच रही थी। पुलिस ने मौके से गांजा और बिक्री की नकदी बरामद कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक ओ.पी. शर्मा के निर्देशन में जिले में अवैध शराब, जुआ-सट्टा और मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 28 मई को थाना पलारी पुलिस को ग्राम ओडान में गांजा बिक्री की सूचना मिली। जांच के दौरान ठेले और महिला की तलाशी ली गई, जहां से छोटे-छोटे पैकेटों में रखा गया 106 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने गांजे की अनुमानित कीमत 1300 रुपये तथा बिक्री से प्राप्त 300 रुपये नकद जब्त किए। पूछताछ में आरोपिया की पहचान कुसुम बाई सेन, उम्र 45 वर्ष, निवासी ग्राम ओडान, थाना पलारी के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार आरोपिया लंबे समय से ठेले की आड़ में गांजे की पुड़िया बनाकर बिक्री कर रही थी। बरामदगी के बाद थाना पलारी में अपराध क्रमांक 232/2026 दर्ज कर आरोपिया के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत मामला कायम किया गया। पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बहरहाल, यह कार्रवाई साफ संकेत है कि नशे का कारोबार चाहे जितना छिपकर किया जाए, कानून की नजर से बच पाना अब आसान नहीं है।

संदिग्ध हालात में महिला की मौत, छोटी बहन बेहोश मिली

रायपुर। जिले के अभनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मानिकचौरी निवासी भोज बाई रात्रे (58 वर्ष) और मीरा बाई रात्रे (55 वर्ष) दोनों सगी बहनें थीं और गांव में रहकर जीवन-यापन कर रही थीं। उनके अन्य परिजन रायपुर में रहते हैं। बताया जा रहा है कि गुरुवार रात दोनों बहनों ने साथ में भोजन किया और उसके बाद सोने चली गईं। शुक्रवार सुबह काफी देर तक घर से कोई हलचल नहीं होने पर आसपास के लोगों को संदेह हुआ। जब ग्रामीण घर के अंदर पहुंचे तो बड़ी बहन भोज बाई जमीन पर मृत अवस्था में मिली, जबकि छोटी बहन मीरा बाई खाट पर बेहोश पड़ी थी। यह दृश्य देखकर लोगों के होश उड़ गए और तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। अभनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। बेहोश महिला को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी हालत अब सामान्य बताई जा रही है। वहीं मृत महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में मृतका के शरीर पर किसी प्रकार के चोट या संघर्ष के निशान नहीं मिले हैं। फिलहाल मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

महानदी में अवैध रेत उत्खनन का बड़ा मामला खुदाई में निकले कंकाल, 5 ट्रैक्टर जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। जिले के ग्राम खरेंगा स्थित महानदी क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। रेत की अवैध खुदाई के दौरान पहले से दफन कंकाल बाहर निकल आने की सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आ गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए खनिज विभाग, राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की।

जानकारी के अनुसार, 28 मई 2026 को खनिज अमले को दूरभाष के माध्यम से सूचना मिली थी कि महानदी क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन किया जा रहा है। खुदाई के दौरान जमीन में दफन कंकाल बाहर आ गए, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। शिकायत के बाद संयुक्त जांच में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन में संलिप्त 5 ट्रैक्टर वाहनों को जब्त किया गया। संबंधित वाहन चालकों के खिलाफ खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 तथा छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 के तहत कार्रवाई की जा रही है।

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण शासन की प्राथमिकता है और जिले में अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों की भावनाओं का सम्मान करते हुए बाहर आए कंकाल को प्रशासन द्वारा दोबारा सुरक्षित तरीके से दफनाने की व्यवस्था की गई है।

मामले में लापरवाही बरतने पर क्षेत्र के खनि निरीक्षक को शो-कॉज नोटिस जारी किया गया है। वहीं संबंधित फर्म की गौण खनिज साधारण रेत भंडारण अनुज्ञा भी निरस्त कर दी गई है। प्रशासन द्वारा कुछ रेत खदानों का सीमांकन भी कराया जा रहा है।

खनिज अधिकारी के अनुसार, जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर रोक लगाने के लिए खनिज उड़नदस्ता दल लगातार कार्रवाई कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक 108 प्रकरण दर्ज किए जा चुके हैं, जिनमें 29 लाख 51 हजार 560 रुपए की शास्ति राशि वसूली गई है।

प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि अवैध खनिज उत्खनन या परिवहन की जानकारी तत्काल प्रशासन को दें, ताकि समय पर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

नौकरी लगाने का झांसा देकर बेरोजगार युवाओं से ठगी, दो आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा में नौकरी लगाने का झांसा देकर बेरोजगार युवाओं से ठगी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर युवाओं से नौकरी दिलाने के नाम पर रकम वसूल रहे थे।

मामले में प्रार्थी मिथुन गिरी ने थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी कि वह पूर्व में एक स्मॉल फाइनेंस बैंक में कार्यरत था। इसी दौरान उसकी पहचान आरोपी मनोज कुमार आदित्य से हुई। आरोपी ने उसे बालको प्लांट स्थित केआईपीएल कंपनी में स्थायी नौकरी लगाने का झांसा दिया और अधिक वेतन दिलाने का भरोसा दिलाया।

शिकायत के अनुसार, आरोपी ने नौकरी लगवाने के नाम पर अलग-अलग किश्तों में फोन-पे और नगद माध्यम से कुल 50 हजार रुपये लिए। इसके बाद भी नौकरी नहीं लगाई गई और लगातार टालमटोल की जाती रही।

प्रार्थी ने आरोप लगाया कि आरोपी मनोज कुमार आदित्य और यशवंत कुमार चैहान ने गुड जॉब बेटर लीव्स नाम से व्हाट्सएप ग्रुप

बनाया हुआ था, जिसमें बेरोजगार युवाओं को जोड़कर नौकरी दिलाने का लालच दिया जाता था। आरोप है कि दोनों ने कई अन्य युवाओं से भी नौकरी लगाने के नाम पर रकम वसूली।

शिकायत के मुताबिक, हरीश साहू से 18 हजार रुपये, संतोष दास महंत से 23 हजार रुपये और राजेंद्र कुमार साहू से 5500 रुपये लिए गए। आरोप है कि जिले के अलावा अन्य स्थानों के लोगों से भी इसी तरह पैसे वसूले गए। जब पीड़ितों ने अपनी रकम वापस मांगी, तो आरोपियों द्वारा जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है।

विवेचना के दौरान पुलिस ने पीड़ितों के बयान दर्ज किए, जिसमें सभी ने नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी की बात कही। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने अपराध स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त दो मोबाइल फोन जब्त किए हैं। पुलिस ने पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। मामले की आगे जांच जारी है।

वन रक्षक भर्ती का झांसा देकर 11 लाख ऐंठे चारधाम यात्रा में बुजुर्ग से 90 हजार की ठगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी में नौकरी और धार्मिक यात्रा के नाम पर ठगी के दो अलग-अलग मामले सामने आए हैं। एक मामले में वन विभाग में नौकरी दिलाने का झांसा देकर युवक से 11 लाख रुपए ठग लिए गए, जबकि दूसरे मामले में चारधाम यात्रा की टिकट बुकिंग के नाम पर बुजुर्ग से 90 हजार रुपए ऐंठ लिए गए।

सरस्वती नगर थाना क्षेत्र के ग्राम सोनाखान वार्ड क्रमांक-2 निवासी प्रकाश ठाकुर (28) ने शिकायत दर्ज कराई है कि डंगनिया स्थित बिजली ऑफिस के पास रहने वाले दीपराज गायकवाड़ (34) ने वन विभाग में पहचान होने का दावा करते हुए वन रक्षक भर्ती में नौकरी दिलाने का भरोसा दिया था। आरोपी ने 11 जून 2025 को नौकरी लगवाने के नाम पर प्रकाश से 11 लाख रुपए ले लिए। लंबे समय तक नौकरी नहीं लगने और रकम वापस मांगने पर आरोपी लगातार टालमटोल करता रहा। परेशान होकर पीड़ित ने पुलिस की शरण ली, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वहीं, कोतवाली थाना क्षेत्र में चारधाम यात्रा के नाम पर ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। शैलेन्द्र नगर निवासी के. राजगोपाल (62) ने पुलिस को बताया कि 11 मार्च को उन्हें एक व्यक्ति ने फोन कर केदारनाथ सहित चारधाम यात्रा सस्ती दरों पर कराने का प्रस्ताव दिया। आरोपी ने टिकट बुकिंग और यात्रा व्यवस्था के नाम पर 12 दिनों के भीतर 90 हजार रुपए विभिन्न माध्यमों से ट्रांसफर करा लिए। निर्धारित समय बीतने के बावजूद न तो टिकट मिला और न ही कोई यात्रा कार्यक्रम उपलब्ध कराया गया। खुद को ठगा महसूस होने पर राजगोपाल ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अज्ञात आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

बिलासपुर में किल्लत के बीच डीजल चोरी, 3 अरेस्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में पुलिस ने हाईवे किनारे खड़े ट्रकों और ट्रेलरों के ड्राइवरों को डरा-धमकाकर डीजल लूटने वाले गैंग को पकड़ा है। गिरोह के 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल स्कार्पियो, ट्राइबर कार, धारदार चाकू, कैश समेत 74 लीटर डीजल जब्त किया गया है। डीजल के शार्टेज के बाद गिरोह रात के अंधेरे में हाईवे पर ट्रक चालकों से मारपीट और लूटपाट करता था।

एसएसपी रजनेश सिंह ने बताया कि जिले में लगातार डीजल चोरी और लूट की शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद ,ष्ट और सिरगिट्टी थाना स्टाफ की टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। टीम ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जाल बिछाकर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पकड़े गए आरोपियों में

जांजगीर-चांपा जिले के बलौदा के बगडबरी निवासी संजय कुमार कुर्रे (30), मणीशंकर कुर्रे (24) और अमित भारद्वाज (29) शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने कई बड़ी वारदातें कबूल की हैं।

पुलिस की पूछताछ में पता चला कि गिरोह के मास्टरमाइंड का सीधे पेट्रोल पंपों से सेटिंग था। गैंग से डीजल चोरी कराने के बाद वह पेट्रोल पंप में कम दामों में सप्लाई करता था। इसके लिए उसने ही एक आरोपी को डीजल चोरी करने के लिए वाहन उपलब्ध कराया था।

18 मई को सिरगिट्टी स्थित बेवरेज कॉर्पोरेशन के सामने खड़े वाहन से डीजल चोरी के दौरान आरोपियों ने चालक से मारपीट की थी। वहीं, 24 मई को कोनी थाना क्षेत्र में ट्रेलर का डीजल टैंक तोड़कर करीब 100 लीटर डीजल लूटा और स्कार्पियो से फरार हो गए थे।

बिलासपुर समेत कई जिलों में सक्रिय था गिरोह

पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उनका यह गिरोह लंबे समये काम कर रहा है। उन्होंने बिलासपुर के अलावा बेमेतरा, बलौदाबाजार, कवर्धा, महासमुंद, रायगढ़, कोरबा और जांजगीर जिले के हाईवे पर भी वारदातों को अंजाम दिया है। गिरोह में कोरबा के हरदीबाजार और बाकीमोंगरा क्षेत्र के सदस्य भी शामिल हैं।

पकड़े गए गिरोह से पुलिस ने 76 लीटर चोरी का डीजल बरामद किया है। वे चोरी का डीजल आसपास के लोगों को 10 से 15 रुपए कम में बेचते थे। ग्रामीण इलाकों में हार्वेस्टर, ट्रैक्टर समेत कई उनके नियमित ग्राहक है। गैंग का फरार मास्टरमाइंड अपने टैंकर से सीधे पेट्रोल पंपों से डील करता था। इसके अलावा बिलासपुर-कोरबा एनएच से लेकर बलौदा रूट के कई ढाबों में वे चोरी का डीजल खपा रहे थे।

गिरोह का मास्टरमाइंड समेत 12 से अधिक सदस्य अब भी फरार हैं। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमों को लगातार छापेमारी के निर्देश दिए हैं।

बंद गुड़ फैक्ट्री में चोरी का खुलासा तीन चोरों समेत कबाड़ी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। जिले के ग्राम नवलपुर स्थित बंद पड़ी गुड़ फैक्ट्री में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों को लोरमी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों के साथ चोरी का सामान खरीदने वाले एक कबाड़ी व्यवसायी को भी गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार, गुड़ फैक्ट्री के मालिक हेमंत कश्यप ने फैक्ट्री से मशीनरी और अन्य सामान चोरी होने की शिकायत लोरमी थाने में दर्ज कराई थी। जांच के दौरान पता चला कि चोर फैक्ट्री की मशीनरी चोरी कर उसे मुंगेली के कबाड़ी व्यवसायी असगर खान को बेच चुके थे।

मामले की जांच जारी थी कि घटना के तीन दिन बाद देर रात फिर से फैक्ट्री में चोरी की कोशिश की गई। इस दौरान पुलिस ने मौके से एक आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपी ने न केवल दोबारा चोरी करने की बात स्वीकार की, बल्कि पहले हुई चोरी की वारदात में अपनी संलिप्तता और अन्य साथियों के नाम भी उजागर कर दिए। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए देवारपारा, लोरमी से दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया।

वहीं चोरी का माल खरीदने के आरोप में मुंगेली के कबाड़ी व्यवसायी असगर खान को भी हिरासत में लिया गया। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

17 लीटर अवैध महुआ शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जिले में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना जांजगीर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 17 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में जिलेभर में अवैध शराब बिक्री पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी दौरान थाना जांजगीर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम मड़वा में अवैध रूप से कच्ची महुआ शराब की बिक्री की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश देकर ग्राम मड़वा निवासी लक्ष्मी प्रसाद श्रीवास (52 वर्ष) को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 17 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 3400 रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत विधिवत कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

इस कार्रवाई में निरीक्षक जयप्रकाश गुप्ता, उपनिरीक्षक बी.एस. लकड़ा, कमल दास बनर्जी, प्रधान आरक्षक प्रकाश राठौर, आरक्षक विनोद राठौर एवं उमेश कुमार रत्नाकर की सराहनीय भूमिका रही।

खड़ी पिकअप को अज्ञात युवक ने किया आग के हवाले, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

बिलासपुर। जिले के कोटा थाना क्षेत्र अंतर्गत करगीकला में एक खड़ी पिकअप वाहन को अज्ञात व्यक्ति द्वारा आग लगाने का मामला सामने आया है। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। आगजनी की पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसके आधार पर पुलिस आरोपी की पहचान में जुटी हुई है।

जानकारी के अनुसार, पिकअप वाहन घर के बाहर खड़ा था। देर रात एक अज्ञात व्यक्ति मौके पर पहुंचा और वाहन में आग लगा दी। देखते ही देखते आग ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वाहन को भारी नुकसान पहुंचा। घटना की जानकारी मिलने पर पीड़ित ने कोटा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है। फुटेज में संदिग्ध की गतिविधियां स्पष्ट दिखाई दे रही हैं, जिससे जल्द ही आरोपी तक पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि आग लगाने के पीछे के कारणों का पता लगाया जा रहा है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

छ.ग.गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, वृत्त-दुर्ग

प्रथम निविदा आमंत्रण विज्ञापन क्र. 16

निक्षेप कार्य अंतर्गत दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में उद्यान निर्माण कार्य हेतु प्रपत्र-'अ' में राशि रू. 140.41 लाख की ऑनलाईन निविदा एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत 'स' वर्ग एवं ऊपर श्रेणी के ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण मण्डल वेबसाईट www.cghb.gov.in एवं http://eproc.cgstate.gov.in में उपलब्ध है। अन्य जानकारी कार्यपालन अभियंता संभाग-दुर्ग के मो.नं. 94242-84256 पर सम्पर्क करें।

S- 47967/3 उपायुक्त

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

बिलासपुर। मस्तूरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-49 पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की जान चली गई। भदौरा गांव निवासी शुभम राठौर (30 वर्ष) पेशे से बिजली मिस्त्री था। बुधवार को वह कार्य के सिलसिले में मस्तूरी क्षेत्र गया हुआ था। देर रात वह अपने गांव वापस लौट रहा था। इसी दौरान रात लगभग 11 बजे के आसपास जब वह एनएच-49 पार कर रहा था, तभी बिलासपुर से अकलतरा की ओर जा रही एक तेज रफ्तार कार ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। गंभीर चोटों के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में मोटरसाइकिल भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मस्तूरी पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

खास खबर

सुशासन तिहार : कचना महा-शिविर में उमड़ा 17 गांवों का हुजूम

रायपुर। 'सुशासन तिहार 2026' अब धरातल पर एक बड़ा विश्वास बन चुका है। इसी कड़ी में धमतरी जिले के कुरूद विकासखंड के ग्राम पंचायत कचना में आयोजित क्लस्टर स्तरीय समाधान शिविर में उम्मीदों और समाधान का एक अनोखा संगम देखने को मिला। शिविर में 165 मामलों का मौके पर ही निपटारा (161 मांग और 4 शिकायतें) कर ग्रामीणों को तत्काल राहत दी गई। इस महा-शिविर में कचना सहित आस-पास की 17 ग्राम पंचायतों (सिलीडीह, सिलतरा, नवागांव (क), जी जामगांव, अंवरी, गणेशपुर, मडेली, भैंसबोड़, जरवायडीह, कोलियारी, जोरातराई (अ), थूहा, नवागांव (थू), सिर्वे, कुम्हारी और भेण्डसर) के ग्रामीणों का ऐसा सैलाब उमड़ा, जिसने शासन की इस मुहिम को पूरी तरह सफल बना दिया। शिविर की भव्यता और जनता के विश्वास का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यहाँ कुल 819 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 812 आवेदन विभिन्न विकास कार्यों व मांगों से जुड़े थे, तो वहीं 7 आवेदन शिकायतों के रूप में दर्ज किए गए। प्रशासन ने भी मुस्तैदी दिखाते हुए 165 मामलों का मौके पर ही निपटारा (161 मांग और 4 शिकायतें) कर ग्रामीणों को तत्काल राहत की सौगात दी। शेष आवेदनों के लिए समय-सीमा तय कर त्वरित कार्रवाई का भरोसा दिया गया है। ग्रामीणों का हौसला बढ़ाने और उनकी समस्याओं को सीधे सुनने के लिए क्षेत्र के कई दिग्गज जनप्रतिनिधि इस शिविर का हिस्सा बने। जिला पंचायत के उपाध्यक्ष, सभापति और जनपद पंचायत कुरूद की अध्यक्ष ने विशेष रूप से शिरकत की। इसके साथ ही बडी संख्या में सरपंच, सचिव और पंचगण मौजूद रहे। इस शिविर की सबसे खूबसूरत तस्वीर तब सामने आई जब पात्र हितग्राहियों को उनके अधिकार की सामग्रियां और प्रमाण पत्र सौंपे गए। कई सालों से अटके काम जब चंद मिनटों में पूरे हुए, तो ग्रामीणों के चेहरे खुशी से दमक उठे। राजस्व विभाग ने जमीन और घर का सपना पूरा करते हुए ग्रामीणों को 'आबादी पट्टा' (भू-स्वामित्व) सौंपा। मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा की छांव देते हुए 'संगठित श्रमिक कार्ड' प्रदान किए गए।

मुख्यमंत्री साय ने साझा किये वनवासी कल्याण आश्रम के अपने अनुभव

जनजातीय समाज के उत्थान को समर्पित रहा है डॉ गोडबोले दंपति का सारा जीवन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने निवास कार्यालय में पद्मश्री से सम्मानित समाजसेवी दंपति डॉ. सुनीता गोडबोले और डॉ. रामचंद्र गोडबोले से आत्मीय मुलाकात कर उनके द्वारा बस्तर और जनजातीय समाज के बीच चार दशकों से अधिक समय से किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की।

गोडबोले दंपति ने मुख्यमंत्री को बताया कि बस्तर और बस्तरवासियों से हमें गहरा प्रेम है। हम गोंडी और हल्बी में उनसे संवाद करते हैं, यही हमारी संस्कृति है और अब हम बस्तर नहीं छोड़ना चाहते हैं।

श्री साय ने इस आत्मीय भावना को बस्तर, उसकी संस्कृति और जनजातीय समाज के प्रति गहरे समर्पण का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह केवल सेवा का

विषय नहीं, बल्कि मानवीय आत्मीयता, संवेदनशीलता और सामाजिक प्रतिबद्धता की दुर्लभ मिसाल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका पद्मश्री सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश, विशेष रूप से बस्तर, जनजातीय समाज और बस्तरवासियों के सम्मान का विषय है। उन्होंने कहा कि गोडबोले दंपति ने जनजातीय समाज तक पहुंचकर नि:शुल्क उपचार उपलब्ध कराया, कुपोषण, टीबी, मलेरिया, पीलिया और अन्य गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलायी तथा शिक्षा और नशामुक्ति जैसे विषयों पर उल्लेखनीय कार्य किया।

उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों और सीमित संसाधनों के बावजूद जनजातीय समाज के बीच बने रहना और सेवा करते रहना असाधारण समर्पण का उदाहरण है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गोडबोले दंपति केवल चिकित्सक के रूप में नहीं, बल्कि जनजातीय समाज के आत्मीय सहयोगी के रूप में कार्य करते रहे हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि वनवासी कल्याण आश्रम से उनका स्वयं का जुड़ाव रहा है और वे जानते हैं कि आश्रम के संस्कार सेवा, समर्पण और समाज के प्रति आत्मीयता की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि आश्रम की यात्रा और उसके मूल उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक संवेदनशीलता और आत्मीय सहयोग पहुंचाने के विचार से जुड़े हैं तथा यह कार्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन की मजबूत नींव तैयार करता है।

पर्वतारोही अंकिता ने राज्यपाल डेका को दी भावी योजनाओं की जानकारी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से लोकभवन में पर्वतारोही अंकिता गुप्ता ने सौजन्य भेंट की। उन्होंने अपनी पर्वतारोहण उपलब्धियों तथा आगामी अभियानों की जानकारी राज्यपाल को दी।

अंकिता वर्तमान में कबीरधाम पुलिस लाइन में आरक्षक के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने वर्ष 2022 में लद्दाख स्थित यूटी कांगड़ी पर्वत शिखर चूमकर छत्तीसगढ़ की पहली महिला पर्वतारोही बनने का गौरव प्राप्त किया था। इसके अलावा उन्होंने यूरोपीय महाद्वीप के सर्वोच्च शिखर माउंट एल्ब्रुस पर तिरंगा फहराकर प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया।

अंकिता ने बताया कि उनकी अगली योजना अफ्रीका महाद्वीप के सर्वोच्च शिखर माउंट किलिमंजारो को फतह करने की है। उन्होंने अपने पर्वतारोहण अभियानों, अनुभवों और भविष्य की तैयारियों से भी राज्यपाल को अवगत कराया। राज्यपाल रमेन डेका ने अंकिता गुप्ता के साहस, दृढ़ संकल्प और उपलब्धियों की सराहना की।

बस्तर के गौरवशाली लड़ाकू 'असील' नस्ल के संरक्षण के लिए स्थापित होगा संरक्षण-अनुसंधान केंद्र

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर की पारंपरिक एवं गौरवशाली लड़ाकू 'असील' मुर्गा नस्ल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पशुधन विकास विभाग द्वारा महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। विभाग ने बस्तर संभाग में समर्पित 'असील कुक्कुट संरक्षण एवं अनुसंधान केंद्र' स्थापित किए जाने का प्रस्ताव तैयार किया है, जिससे इस विशिष्ट देशी नस्ल के संरक्षण, अनुसंधान और संवर्धन को नई दिशा मिल सकेगी।

असील मुर्गा को लड़ाकू मुर्गा या गेमकॉक भी कहा जाता है, भारतीय उपमहाद्वीप में पाई जाने वाली सबसे पुरानी, मजबूत और आक्रामक नस्लों में से एक है। अरबी भाषा में 'असील' का अर्थ 'शुद्ध या उच्च नस्ल' होता है। यह अपनी लंबी गर्दन, फौलादी मांसपेशियों, और अंतिम दम तक लड़ने के साहसी स्वभाव के लिए प्रसिद्ध है।

अधिकारियों ने बताया कि जिला बस्तर के लड़ाकू असील मुर्गों की नस्ल

की पहचान एवं संरक्षण के लिए विभाग गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। 'असील' नस्ल को भारतीय देशी नस्ल पंजीकरण संस्था नेशनल ब्यूरो ऑफ एनिमल जेनेटिक रिसोर्सेस करनाल, हरियाणा द्वारा आधिकारिक रूप से पंजीकृत किया गया है। इसका एक्सेशन नंबर इसका एक्सेशन नंबर इंडिया-चिकन 2615 असील 12002 निर्धारित किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि बस्तर क्षेत्र की यह पारंपरिक नस्ल अपनी विशिष्ट शारीरिक क्षमता, सहनशीलता एवं स्थानीय पहचान के कारण विशेष महत्व रखती है। इसके संरक्षण के लिए विभाग द्वारा दीर्घकालिक रणनीति के तहत आवश्यक प्रयास किए जा रहे हैं।

विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि पशु एवं पक्षियों के प्रति क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है। ऐसे मामलों की रोकथाम एवं प्रभावी नियंत्रण के लिए विभाग जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कर रहा है।

जनमन पत्रिका बनी जनजागरूकता का प्रभावी माध्यम, मिल रही योजनाओं की सटीक जानकारी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन एवं जनकल्याण के संकल्प को साकार करने की दिशा में जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका जनमन ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरूकता का सशक्त माध्यम बनकर उभर रही है। सुशासन तिहार के अंतर्गत कोटरकी में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में जनमन पत्रिका का वितरण कर ग्रामीणों को शासन की उपलब्धियों, विकास कार्यों एवं जनहितकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

पत्रिका के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं, नवाचारों और शासन की महत्वपूर्ण पहलों की जानकारी सरल एवं सहज भाषा में प्राप्त हो रही है। ग्रामीणों ने बताया कि पहले कई बार योजनाओं की जानकारी समय पर

नहीं मिल पाने के कारण पात्र हितग्राही लाभ से वंचित रह जाते थे, लेकिन अब जनमन पत्रिका से योजनाओं की अद्यतन जानकारी आसानी से उपलब्ध हो रही है।

ग्राम केरता की श्रीमती मालती एवं गिरवरगंज के श्री रामकुमार ने बताया कि वे पत्रिका में प्रकाशित जानकारियों को अपने परिवार एवं आसपास के लोगों के साथ भी साझा करते हैं, जिससे अधिक से अधिक लोगों तक शासन की योजनाओं की जानकारी पहुंच रही है। उन्होंने जनमन पत्रिका को शासन और जनता के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम बताते हुए इसकी सराहना की।

शिविर में उपस्थित अन्य ग्रामीणों ने भी जनमन पत्रिका को उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे लोगों में जागरूकता बढ़ रही है तथा शासन की योजनाओं के प्रति विश्वास और सहभागिता मजबूत हो रही है।

सुकमा के दूरस्थ गांवों में दौड़ी 'आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस', सफर हुआ आसान, दीदियों को रोजगार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप वन एवं जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार और कलेक्टर अमित कुमार के मार्गदर्शन में सुकमा जिले के आकांक्षी विकासखंड कोंटा में विकास की नई तस्वीर उभर रही है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तहत दूरस्थ और संवेदनशील क्षेत्रों में 'आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना' के अंतर्गत वाहनों का संचालन शुरू किया गया है। इससे ग्रामीणों को सुरक्षित, सुलभ और किफायती परिवहन सुविधा मिल रही है।

जिला प्रशासन द्वारा संचालित 4 आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस वाहन उन दुर्गम क्षेत्रों के लिए बड़ी राहत बनकर सामने आए हैं, जहां पहले आवागमन के साधन उपलब्ध नहीं थे। इन वाहनों से अब चिंतलनार,

नागाराम, केरलापेंदा, ताड़मेटला, दोरनापाल, एर्राबोर, ट्रेटराई, अरगट्टा, बोडडीगुड़ा, ढोंढरा, एलनमडगु, भेज्जी, गोरखा, कोत्तागेरू, ऐटेगट्टा, इंजरम, कोंटा और मराईगुड़ा जैसे गांवों के लोगों का सफर आसान हो गया है।

अब ग्रामीणों को अपने गांव से विकासखंड मुख्यालय और अन्य जरूरी स्थानों तक पहुंचने के लिए लंबी परेशानी नहीं उठानी पड़ती। इस सेवा से उनका समय और पैसा दोनों बच रहा है। सुरक्षित और नियमित परिवहन सुविधा मिलने से लोगों को बड़ी राहत मिली है।

इस योजना की सबसे खास बात यह है कि इन वाहनों का संचालन बिहान योजना से जुड़ी स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किया जा रहा है। इससे महिलाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिला है और वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं।

महिलाओं के जीवन में आया सकारात्मक बदलाव

वाहनों के संचालन की जिम्मेदारी मिलने से महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है। अब वे परिवार की आय में योगदान देने के साथ समाज में अपनी अलग पहचान बना रही हैं। इस पहल ने उन्हें आत्मनिर्भरता और सम्मान के नए अवसर दिए हैं।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और बिहान योजना के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जहां पहुंचना पहले बेहद कठिन था, वहां अब 'आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस' ने सुविधाजनक रास्ता खोल दिया है, जिससे आवागमन आसान होगा है।

भीषण गर्मी से संकट में वन्यजीव, विभाग सतर्क

रायपुर। प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी और हीट वेव का असर अब वन्यजीवों पर भी दिखाई देने लगा है। खैरागढ़ वन क्षेत्र के उपवृत्त लछना अंतर्गत दल्लीखोली के वन कक्ष क्रमांक 322 में 15 वन्यजीव और पक्षी मृत अवस्था में पाए गए। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तत्काल जांच शुरू की गई। वन विभाग और पशु चिकित्सकों की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्राथमिक जांच में माना जा रहा है कि पिछले कई दिनों से क्षेत्र में पड़ रही अत्यधिक गर्मी और हीट वेव के कारण यह घटना हुई हो सकती है। जांच को पुख्ता करने के लिए आसपास के जल स्रोतों और मिट्टी के नमूने लेकर प्रयोगशाला भेजे गए हैं। भीषण गर्मी से वन्यजीवों को राहत देने के लिए वन विभाग ने क्षेत्र में 3 अस्थायी वाटर होल तैयार किए हैं। इनमें पेयजल की व्यवस्था की जा रही है। अन्य स्थानों पर भी वाटर होल बनाए जा रहे हैं, ताकि वन्यजीवों को पानी की कमी का सामना न करना पड़े।

नगरी सिहावा के उन्नयन की बनी योजना

महानदी का उद्गम और सप्तऋषि आश्रम बनेगा वैश्विक पर्यटन का केन्द्र, बनेंगे रोजगार के अवसर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ और ओडिशा की जीवनदायिनी मानी जाने वाली पावन महानदी के उद्गम क्षेत्र 'नगरी-सिहावा' को अब एक नई और भव्य पहचान मिलने जा रही है। प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक धरोहर और अगाध धार्मिक आस्था को अपने आंचल में समेटे इस क्षेत्र को पर्यटन के मानचित्र पर मजबूती से उभारने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। इसी कड़ी में धमतरी के कलेक्टर ने नगरी विकासखंड के ग्राम फारसिया स्थित प्रसिद्ध महामाया मंदिर परिसर का दौरा कर वहां चल रहे सौंदर्यीकरण और विकास कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया।

महामाया मंदिर परिसर में विकास की नई किरण

महामाया मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बढ़ाने और स्थल के आकर्षण को दोगुना करने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य जारी हैं। परिसर को रोशन करने के लिए सोलर लाइट स्थापना का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। मंदिर परिसर में पेवर ब्लॉक निर्माण, आकर्षक पार्क का विकास, श्रद्धालुओं के बैठने के लिए कुर्सियों की व्यवस्था और नारियल के पौधों का रोपण किया जा रहा है। हाल ही में परिसर स्थित पवित्र कुंड की सघन साफ-सफाई की गई है। कलेक्टर ने इस ऐतिहासिक कुंड की आवश्यक मरम्मत और संरक्षण कार्य को समय-सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए हैं, ताकि इसकी धार्मिक गरिमा अक्षुण्ण रहे।

17 किलोमीटर लंबा महानदी संरक्षण अभियान

महानदी केवल एक नदी नहीं, बल्कि इस पूरे अंचल की संस्कृति और जीवन का आधार है। जिला प्रशासन, स्थानीय जनप्रतिनिधियों

और मेघा फाउंडेशन के त्रिकोणीय सहयोग से लगभग 17 किलोमीटर के दायरे में महानदी स्वच्छता एवं संरक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इस महाअभियान के तहत नदी के तटों की व्यापक सफाई की जा रही है और पर्यावरण को सुदृढ़ बनाने के लिए बड़े पैमाने पर नारियल के पौधे रोपे जा रहे हैं। इस ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के स्थल के संरक्षण और विकास का अवसर मिलना सभी के लिए गौरव का विषय है। मुख्य उद्देश्य विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक पहचान को बचाए रखना है।

20 करोड़ रुपए की लागत से संगम स्थल गणेश घाट, गणेश्वर मंदिर और सप्तऋषि क्षेत्र नगरी-सिहावा को पर्यटन का मुख्य केंद्र बनाने के लिए प्रशासन ने एक बेहद महत्वाकांक्षी कार्ययोजना तैयार की है।

भावी प्रमुख योजनाएं और संभावित लाभ

गणेश घाट संगम स्थल का व्यापक सौंदर्यीकरण पर्यटकों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र बनेगा। आधारभूत संरचना का मजबूत विकास से आगंतुकों को मिलेंगी विश्वस्तरीय बुनियादी सुविधाएं मिलेगी। जनभावनाओं के अनुरूप पर्यटन सुविधाओं का विस्तार होने से स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार में वृद्धि होगी।

गाइड-होमस्टे से मिलेंगे रोजगार के नए अवसर

इस पूरी परियोजना की सबसे खूबसूरत बात यह है कि यह केवल पर्यटन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा जुड़ाव ग्रामीण अर्थव्यवस्था से है। इन

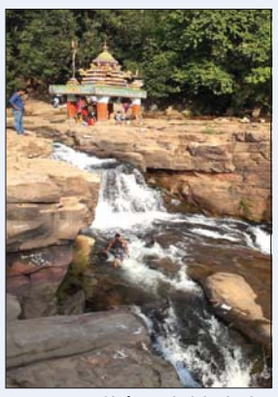

विकास कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को एक नई रफ्तार मिलेगी। स्थानीय युवाओं के लिए गाइड, होमस्टे, हस्तशिल्प और दुकानदारी जैसे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। ग्रामीण और स्थानीय व्यापार को मजबूती मिलेगी।

सुशासन तिहार 2026 : जनजागरूकता अभियान को मिल रहा व्यापक समर्थन, गूंज रहा बाल विवाह मुक्त भारत का संकल्प

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप आयोजित सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत प्रदेशभर में लगाए जा रहे जनसमस्या समाधान शिविर आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के साथ सामाजिक जागरूकता के प्रभावी मंच बनकर उभर रहे हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग तथा जिला बाल संरक्षण इकाइयों द्वारा इन शिविरों में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत व्यापक जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित कर लोगों को बाल विवाह रोकथाम का संकल्प दिलाया जा रहा है।

जिला बालोद के विकासखंड गुंडरदेही अंतर्गत ग्राम पंचायत चौरेल में आयोजित शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं एवं मांगों का निराकरण करते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की

जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में गोद भराई एवं अन्नप्राशन संस्कार जैसे सामाजिक सरोकार से जुड़े आयोजन भी संपन्न कराए गए। साथ ही उपस्थित नागरिकों को बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के विरुद्ध जागरूक करते हुए शपथ दिलाई गई।

इसी प्रकार विकासखंड डौंडी लोहारा के ग्राम पंचायत खरथुली में आयोजित शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण किया गया तथा किशोरी बालिकाओं को स्वच्छता किट वितरित कर स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। शिविर में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत उपस्थित जनसमुदाय को बाल विवाह रोकथाम का संकल्प दिलाते हुए समाज में जागरूकता फैलाने का संदेश दिया गया।

विकासखंड गुरूर के ग्राम पंचायत फागुनदाह में आयोजित शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान गोद भराई एवं छोटे बच्चों के अन्नप्राशन संस्कार आयोजित किए गए। साथ ही बाल विवाह के दुष्परिणामों एवं कानूनी प्रावधानों की जानकारी देते हुए उपस्थित लोगों को बाल विवाह मुक्त भारत की शपथ दिलाई गई।

वहीं जिला गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के पेंड्रा ब्लॉक अंतर्गत नगर निकाय क्षेत्रों में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविरों में भी जिला बाल संरक्षण इकाई एवं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ के संबंध में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। शिविरों में बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों ने बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई को समाप्त करने का संकल्प लिया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950